Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

रविवार | 15 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 214 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 81592.45
निफ्टी 25144.30

सर्राफा बाजार

सोना 1,39,885.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,95,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

बर्फबारी और बारिश से बढ़ी ठंड, बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा

नई दिल्ली। कश्मीर और उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। हिमाचल और लद्दाख में अगले दो दिन बर्फबारी की संभावना है। दिल्ली और राजस्थान में हल्की बारिश से मौसम ठंडा हो गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के 19 जिलों में तापमान 15 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। अमरकंटक में न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री दर्ज किया गया।

ललित मोदी को मिली ब्रिटिश नागरिकता

नई दिल्ली। आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी ने बताया कि उन्हें 15 सितंबर 2026 को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई थी। उनकी भारतीय नागरिकता दो साल पहले समाप्त हो गई थी। मार्च 2025 में उन्होंने वानुअतु की नागरिकता ली थी, लेकिन बाद में वहां की सरकार ने उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया।

नक्सलवाद ने आदिवासी समाज को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचायाः पीएम मोदी

3 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत

यूथ इंडिया, नई दिल्ली/गढ़चिरौली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि नक्सली और माओवादी हिंसा का सबसे ज्यादा खामियाजा आदिवासी समाज को भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। इस हिंसा में हर साल हजारों लोगों की जान जाती थी।

पीएम ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस गंभीर समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को निशाना बनाते थे, लेकिन उनकी सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। इससे आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे इलाकों में जाने से लोग डरते थे, लेकिन अब हालात में बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने सुरक्षा बलों के जवानों के साथ इसी क्षेत्र में दीपावली मनाई थी। मोदी ने कहा कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आदिवासी समाज की बेटी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं।

संसाधनों की कमी प्रतिभा के विकास में नहीं बनेगी बाधाः सीएम योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को बड़ा संदेश देते हुए कहा कि प्रतिभा के विकास में संसाधनों का अभाव कभी बाधा नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को बेहतर अवसर और आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य आधुनिक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराना जरूरी है। इससे युवा अपनी क्षमताओं का बेहतर इस्तेमाल कर सकेंगे।

योगी सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत अब तक 60 लाख से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए जा चुके हैं। इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने और ऑनलाइन अध्ययन की सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए अब 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। सरकार का मानना है कि डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता से प्रदेश के युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

गुवाहाटी जा रही इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

यूथ इंडिया, पुणे



पुणे से गुवाहाटी के लिए रवाना हुई इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट को रविवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण वापस पुणे एयरपोर्ट लौटना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, विमान ने उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद लैंडिंग गियर में गड़बड़ी का सामना किया। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका और बाहर ही रह गया। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी और विमान को वापस पुणे लाने का फैसला किया।

विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत कुल 192 लोग सवार थे। तकनीकी समस्या की जानकारी मिलने के बाद पुणे एयरपोर्ट पर एहतियातन इमरजेंसी घोषित कर दी गई। इस दौरान एयरपोर्ट प्रशासन और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल सतर्क कर दिया गया, ताकि विमान की लैंडिंग के समय किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटा जा सके।

आपात स्थिति को देखते हुए एयरपोर्ट पर फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया था। सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए, जिससे विमान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। एयरपोर्ट पर आपातकालीन सेवाओं की टीमें पूरी तरह तैयार रहीं और विमान की लैंडिंग के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया।

'रामायण' ने 10वें दिन की 'एनिमल' से दोगुनी कमाई, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1200 करोड़ के पार

यूथ इंडिया, मुम्बई



रणबीर कपूर और यश की फिल्म 'रामायण' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के बाद से ही फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। फिल्म ने कमाई के मामले में नए रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिए हैं। 10वें दिन के कलेक्शन को लेकर सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने 'एनिमल' की तुलना में लगभग दोगुनी कमाई की है।

फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जबकि यश रावण का किरदार निभा रहे हैं। दोनों सितारों की जोड़ी और फिल्म के भव्य दृश्य दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। सिनेमाघरों में फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया ने इसकी कमाई को मजबूती दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1200 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है। घरेलू बाजार के साथ-साथ विदेशों में भी फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। यही वजह है कि फिल्म लगातार बड़ी कमाई की ओर बढ़ रही है।

अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग की साजिश का खुलासा

मुम्बई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के घर पर फायरिंग करने की कथित साजिश के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शॉर्पशूटर्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान विकास ठाकुर और दीपक सिंह के रूप में हुई है। विकास ठाकुर पंजाब के जालंधर का रहने वाला है, जबकि दीपक सिंह तरनतारन का निवासी बताया जा रहा है। दोनों पर आरोप है कि वे अमिताभ बच्चन के आवास को निशाना बनाने की योजना में शामिल थे। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी मामले को गंभीरता से ले रही हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के संपर्क में थे और उसके निर्देश पर काम कर रहे थे।



छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कराने से नाराज युवक ने घर में घुसकर किया चाकू से हमला, युवती समेत तीन घायल

- बहराइच के जोहरा बाग में देर रात वारदात, युवती की हालत गंभीर
- छह साल पुराने छेड़खानी और पॉक्सो मामले का आरोपी फरार

यूथ इंडिया, बहराइच



जिले के दरगाह थाना क्षेत्र के जोहरा बाग इलाके में शनिवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई। छह साल पहले छेड़खानी और परेशान करने का मुकदमा दर्ज कराने से नाराज युवक ने युवती के घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया। हमले में मुकदमा दर्ज कराने वाली युवती सबरीन, उसकी मां जायदा और नानी जन्नतुल निशा घायल हो गईं। तीनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सबरीन की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, जोहरा बाग निवासी अजलान नामक युवक के खिलाफ करीब छह साल पहले इलाके की रहने वाली सबरीन ने छेड़खानी और परेशान करने का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई हुई थी। आरोपी जेल गया था और जमानत पर बाहर आने के बाद क्षेत्र से बाहर रहने लगा था।

बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 10 बजे आरोपी युवती के घर पहुंचा। उसने अपनी आवाज बदलकर दरवाजा खटखटाया। छोटी बहन आफरीन ने जैसे ही दरवाजा खोला, आरोपी उसे धक्का देकर घर में घुस गया और वहां मौजूद सबरीन पर चाकू से हमला कर दिया। बेटी को बचाने के लिए दौड़ी मां जायदा और नानी जन्नतुल निशा पर भी उसने चाकू से वार कर दिए।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। स्थानीय लोगों ने तीनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने सबरीन की गंभीर हालत को देखते हुए उसका उपचार शुरू किया।

घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्रा और दरगाह थाना प्रभारी अमितेंद्र सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

क्षेत्राधिकारी नगर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ छह साल पहले छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। जमानत पर बाहर आने के बाद उसने देर रात युवती के घर में घुसकर हमला किया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और उसकी तलाश की जा रही है।

घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

रील बनाने के दौरान गंगा में डूबे दो दोस्त, तलाश जारी

- माल्देपुर घाट पर हादसा, एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में दोनों युवक गहरे पानी में बहे
- पुलिस, पीएसी और गोताखोरों का सर्च ऑपरेशन जारी

यूथ इंडिया, बलिया



उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गंगा नदी में नहाने के दौरान रील बनाने का शौक दो दोस्तों के लिए जानलेवा साबित हुआ। फेफना थाना क्षेत्र के माल्देपुर घाट पर नहाते समय वीडियो बना रहे दो युवक पैर फिसलने से गंगा नदी के गहरे पानी में बह गए। दोनों युवकों की उम्र करीब 18 से 20 वर्ष बताई जा रही है। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के अनुसार, दोनों युवक अलग-अलग परिवारों से हैं और आपस में दोस्त हैं। रविवार शाम दोनों माल्देपुर घाट पर गंगा स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान वे नहाते हुए वीडियो बना रहे थे। अचानक एक युवक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख दूसरे दोस्त ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसका पैर भी फिसल गया। देखते ही देखते दोनों गंगा की तेज धारा में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवकों की तलाश शुरू कराई गई। पीएसी की फ्लड प्लाटून लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। अंधेरा होने के बावजूद प्रकाश की व्यवस्था कर तलाश जारी रखी गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को भी सूचना दी गई है, ताकि युवकों को जल्द से जल्द खोजा जा सके।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ईराज राजा ने बताया कि दोनों युवक स्नान करने के लिए माल्देपुर घाट आए थे। वीडियो बनाते समय एक युवक का पैर फिसलने के बाद दूसरा उसे बचाने के प्रयास में नदी में चला गया। स्थानीय गोताखोरों और पीएसी की फ्लड प्लाटून की मदद से लगातार तलाश की जा रही है। एनडीआरएफ को भी सूचित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की कि हाल ही में बाढ़ का समय गुजरने के कारण गंगा के घाटों पर कटान हुआ है। कई स्थानों पर गहरे गड्ढे हैं और पानी की वास्तविक गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल है। ऐसे में लोग अनजान स्थानों पर स्नान करने से बचें और केवल सुरक्षित एवं निर्धारित घाटों पर ही जाएं।

उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि गहरे पानी में जाकर वीडियो या रील बनाने का प्रयास न करें। त्योहारों के मद्देनजर सभी लोग अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है, लेकिन लोगों को भी स्वयं सतर्क रहने की जरूरत है।

प्रेमी से शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती

यूथ इंडिया, जौनपुर



बरसठी थाना क्षेत्र के बारिगांव में रविवार सुबह करीब 6 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती प्रेमी से शादी करने की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि युवती की मांग है कि जब तक उसका प्रेमी मौके पर पहुंचकर शादी के लिए सहमति नहीं देता, तब तक वह टावर से नीचे नहीं उतरेगी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस युवक की तलाश में जुटी है।

मोबाइल टावर पर चढ़ने की इस घटना ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था और ऐसे खतरनाक तरीके से विरोध जताने को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फिलहाल पुलिस की प्राथमिकता युवती को सुरक्षित नीचे उतारना है।

सपा के दलित सम्मेलन से पहले पोस्टर विवाद, अखिलेश यादव के खिलाफ लगे पोस्टर सपाइयों ने फाड़े

आगरा। समाजवादी पार्टी के प्रस्तावित विशाल दलित सम्मेलन से पहले आगरा में पोस्टर विवाद को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सपा और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ लगाए गए विवादित पोस्टरों को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने फाड़ दिया। बताया जा रहा है कि शहर में विभिन्न स्थानों पर खंभों पर लगाए गए पोस्टरों में अखिलेश यादव और आजम खान के पुराने बयानों का जिक्र किया गया था। इन पोस्टरों को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई और मौके पर पहुंचकर खंभों पर चढ़कर पोस्टर फाड़ दिए।

कुसमरा हत्याकांड में एसपी ने घटनास्थल का किया निरीक्षण, गिरफ्तारी के निर्देश

- परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस, अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दिया भरोसा
- गांव में पैदल गश्त कर ग्रामीणों से की बातचीत, सुरक्षा का दिलाया भरोसा

यूथ इंडिया, जालौन



ग्राम कुसमरा में युवक की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मामले में आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कठोर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

शनिवार को डायल 112 के माध्यम से राजेश कुमार सलोनिया (44) पुत्र स्व. नारायण दास की गांव के बाहर हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी जालौन और प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर शव को कब्जे में लिया। पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं, फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए।

घटना की जानकारी मिलने पर एसपी सुरेश चंद्र रावत ने कुसमरा पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का भरोसा दिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए।एक को गिरफ्तार भी कर लिया गया है पूछताछ की जा रही है।

इसके बाद एसपी ने गांव में पैदल गश्त कर ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस के अनुसार गांव में शांति व्यवस्था सामान्य है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, महिला और 10 माह के मासूम की मौत, चार साल के बच्चे का पैर कटा

यूथ इंडिया, गाजियाबाद



दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात रफ्तार और टक्कर ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। वेव सिटी थाना क्षेत्र में सुंदरदीप कॉलेज के पास बाइक पीछे से महिंद्रा कैंटर में जा घुसी। हादसे में महिला गुलशन और 10 माह के मासूम अस्बान की मौत हो गई, जबकि चार वर्षीय रियान गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में बच्चे का एक पैर कटकर अलग हो गया। बाइक चला रहे असलम भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, हादसा 14 नवंबर की रात करीब 2:30 बजे हुआ। बाइक पर असलम अपनी पत्नी गुलशन और दो बच्चों के साथ मेरठ से दिल्ली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी स्प्लेंडर बाइक आगे चल रहे कैंटर संख्या एचआर12एक्स8656 से पीछे से टकरा गई।

हादसे के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। गुलशन को सीएचसी डासना ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल 10 माह के अस्बान को मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

चार वर्षीय रियान की हालत गंभीर बताई जा रही है। बाइक चालक असलम के पैर में भी गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कैंटर और बाइक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों का पंचायतनामा और पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एक ही हादसे में मां और मासूम की मौत से परिवार में मातम पसरा है।

पुलिस-बदमाश मुठभेड़, 50 हजार का इनामी दीपक गिरी गिरफ्तार



यूथ इंडिया, एटा

जनपद एटा के थाना अलीगंज क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश दीपक गिरी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए एटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध को रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।

गिरफ्तार बदमाश दीपक गिरी सुनार के साथ हुई लूट की घटना में वांछित चल रहा था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, चोरी की टीवीएस स्पोर्ट बाइक और 780 रुपये बरामद किए हैं।

कोहरे का कहर, ओवरलोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंदा, दो महिलाओं समेत तीन की मौत

सीतापुर। जनपद में घने कोहरे के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। तंबौर थाना क्षेत्र में रिहार पेट्रोल पंप के पास ईंटों से लदे तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीनों लोग लहरपुर से अपने घर देवपालपुर जा रहे थे। इसी दौरान तंबौर क्षेत्र के रिहार पेट्रोल पंप के पास घने कोहरे के बीच ईंटों से लदा तेज रफ्तार ट्रैक्टर उनकी बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव का प्रयास किया। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं।

बाइकों की भिड़ंत में शिक्षक की पत्नी की चली गई जान

- त्रयोदशी से लौट रहे थे वीरेंद्र और पत्नी रंजना गौतम

यूथ इंडिया, उरई,जालौन



शहर की झांसी रोड पर शुक्रवार देर शाम महार्षि स्कूल के पास हुए हादसे में शिक्षक की पत्नी की मौत हो गई। त्रयोदशी से लौट रहे पति-पत्नी की बाइक में पीछे से दूसरे बाइक चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। सिर में चोट लगने पर महिला को झांसी रेफर किया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उरई के मोहल्ला नया रामनगर के वीरेंद्र बौद्ध 38 वर्षीय पत्नी रंजना गौतम के साथ शुक्रवार को एक त्रयोदशी में शामिल होने गए थे। लौटते समय शुक्रवार देर शाम झांसी रोड पर महार्षि स्कूल के पास पीछे से आ रहे दूसरे बाइक चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद दूसरा बाइक चालक मौके से भाग निकला। लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वहां से रंजना गौतम के सिर में गंभीर चोट लगने से झांसी रेफर कर दिया गया।

देर रात झांसी में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मां की मौत की सूचना पर 13 वर्षीय बेटी कनक व सात वर्षीय बेटा हर्ष का रो-रोकर बुरा हाल है। वीरेंद्र हमीरपुर के बरौली खरका के विद्यालय में शिक्षक हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार सिंह ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस बाइक चालक की तलाश कर रही है।



संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में उपराष्ट्रपति जिब्रान ने दिया इस्तीफा, गहराया सियासी संकट

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो (जोकोवी) के 39 साल के बेटे जिब्रान के इस फैसले से राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और जोकोवी के बीच राजनीतिक गठबंधन पर संकट गहरा गया है। जिब्रान के सहयोगी बुडी एरी सेतियादी के मुताबिक, उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया है। जिब्रान की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बाद उनका राजनीतिक संकट बढ़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनका शैक्षणिक समकक्षता प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। वहीं, करीब 120 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। इस्तीफे के बाद संसद का उच्च सदन खाली पद की घोषणा कर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, प्राबोवो और जोकोवी का गठबंधन टूटने से सरकार की अस्थिरता बढ़ सकती है। जब पहले से ही सरकार आर्थिक नीतियों, निवेशकों के घटते भरोसे और मुफ्त स्कूली भोजन योजना से जुड़े विवादों का सामना कर रही है।

ट्रंप की जांच पर गार्सिया ने व्हाइट हाउस की चेतावनी ठुकराई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की ओवरसाइट समिति के आगामी अध्यक्ष रॉबर्ट गार्सिया ने बुधवार (स्थानीय समय) कहा है कि उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी नहीं मिली है। यह चेतावनी डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों पर संभावित कानूनी कार्रवाई और यूएस कांग्रेस की तरफ से की जाने वाली जांच से जुड़ी है। गार्सिया ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट ट्रंप प्रशासन की जांच से डरेंगे नहीं। उन्होंने जनवरी में समिति का नियंत्रण संभालने पर आक्रामक तरीके से निगरानी का संकल्प भी दोहराया। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने गार्सिया को पत्र भेजकर सांविधानिक सीमाओं से बाहर जांच न करने की चेतावनी दी है। हालांकि, एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि गार्सिया को वह पत्र नहीं मिला है। व्हाइट हाउस के वकील विल शार्फ ने पत्र में सांसदों से सांविधानिक सीमाओं के भीतर जांच करने की अपेक्षा की।

लॉस एंजिलिस सिटी अटॉर्नी चुनी गईं भारतीय मूल की मारिसा रॉय



वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की वकील मारिसा रॉय अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर की सिटी अटॉर्नी चुनी गई हैं। मेयर-इलेक्ट नित्या रमन के साथ ही भारत से जुड़ीं दो महिलाएं अब शहर के तीन प्रमुख निर्वाचित पदों में से दो पर काबिज होंगी। कैलिफोर्निया की डिप्टी अटॉर्नी जनरल रॉय ने पिछले सप्ताह हुए दूसरे चरण के चुनाव में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन मैककिनी को हराया। उनकी मां भारत से अमेरिका आकर बसी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान रॉय ने अपने परिवार के प्रवासी अनुभव को प्रमुखता से उठाया था। 'लॉस एंजिलिस टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रॉय की जीत और जून में दोबारा निर्वाचित हुए फिलिपिनो-अमेरिकी सिटी कंट्रोलर केनेथ मेजिया के साथ अब शहर के तीनों प्रमुख निर्वाचित पदों पर एशियाई-अमेरिकी प्रतिनिधित्व होगा। यह लॉस एंजिलिस के इतिहास में पहली बार है। रॉय ने अखबार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह केवल एशियाई-अमेरिकी समुदाय ही नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय के लिए भी एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। एक प्रवासी पृष्ठभूमि की मेयर और एक प्रवासी की बेटी का सिटी अटॉर्नी बनना लॉस एंजिलिस की ओर से यह संदेश है कि वह किस तरह का शहर है।' उन्होंने बताया कि भारत में रह रहे उनके रिश्तेदारों ने चुनाव पर करीबी नजर रखी थीं और जीत के बाद उन्हें व्हाट्सऐप पर बधाई संदेश भेजे। रॉय एशियन डेमोक्रेट्स ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी की संस्थापक बोर्ड सदस्य भी हैं। उनके चुनाव अभियान को कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा और सैन फ्रांसिस्को के सिटी अटॉर्नी डेविड चिउ का समर्थन मिला था।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में ढही 96 साल पुरानी तीन मंजिला रिहायशी इमारत

2 की मौत, 10 घायल, मलबे से गर्भवती महिला समेत दो को सुरक्षित बाहर निकाला



न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार शाम एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 2 की मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट और आपदा प्रबंधन दलों ने मलबे में दबे छह महीने की गर्भवती महिला समेत दो लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। फिलहाल मलबे के नीचे अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते युद्धस्तर पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। 1930 में बनी थी इमारत, चार परिवारों का था निवास हादसे का समयः न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब चार बजे के तुरंत बाद ब्रुकलिन स्थित इस इमारत के गिरने की सूचना प्राप्त हुई।

इमारत का इतिहासः वर्ष 1930 में निर्मित इस तीन मंजिला रिहायशी भवन में चार फ्लैट बने हुए थे। बगल में चल रहा था निर्माण कार्यः घटनास्थल की ड्रोन तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि ध्वस्त हुई इमारत का मलबा ठीक बगल में चल रहे एक निर्माण स्थल (कंस्ट्रक्शन साइट) के गहरे गड्ढे में जा गिरा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घायलों में बगल की साइट पर काम कर रहे निर्माण मजदूर भी शामिल हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशनः बाल्टियों से हटाया जा रहा मलबा, खोजी कुत्तों की मदद

गर्भवती महिला को सुरक्षित निकालाः हादसे के बाद मौके पर दर्जनों दमकलकर्मी, बचाव दल और खोजी श्वान (स्निफर डॉग्स) तैनात किए गए। इमारत का ढांचा अस्थिर होने के कारण बचावकर्मी बेहद सावधानी बरतते हुए हाथों और बाल्टियों के जरिए मलबा हटाते नजर आए। इस दौरान एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने स्थानीय चैनल से बातचीत में उम्मीद जताई कि बचाई गई महिला उनकी पत्नी हैं, जो छह महीने की गर्भवती हैं। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं।'

एक अन्य व्यक्ति का भी रेस्क्यूः महिला के बाद बचाव दल ने मलबे से एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। घायलों की स्थितिः फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों लोगों को निकालने से पहले तक कुल 10 घायलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था

स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने

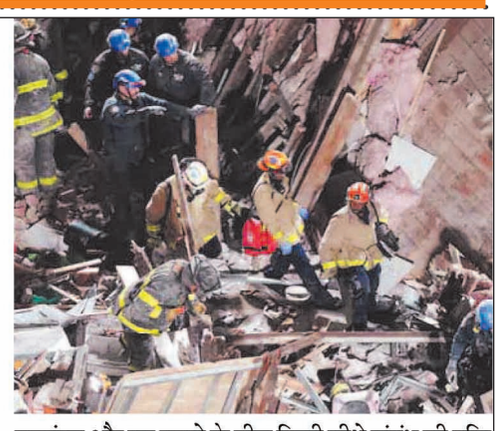

उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है।

खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से लोगों की तलाश जारी

हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।

हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू

हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।



न्यूयॉर्क में सुनीता विलियम्स का खास सम्मान, बनीं ग्रैंड मार्शल, 20 हजार लोगों की परेड का किया नेतृत्व

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड के दौरान 'ग्रैंड मार्शल' के रूप में सम्मानित किया गया। यह परेड पूर्व सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की जाती है। नौसेना की सेवानिवृत्त कैप्टन सुनीता विलियम्स ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू पर 20,000 लोगों की परेड का नेतृत्व किया। सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'ग्रैंड मार्शल' बनना उनके लिए 'एक बहुत बड़ा सम्मान' है। उन्होंने याद करते हुए कहा, नौसेना में बिताए समय ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं, और इसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं न्यूयॉर्क के लोगों और पूरे अमेरिका के नागरिकों के साथ मिलकर, हर पीढ़ी के पूर्व सैनिकों की सेवा, बलिदान और समर्पण का सम्मान कर रही हूं। नासा से जुड़ने से पहले, विलियम्स एक टेस्ट पायलट थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में तीन मिशनों के दौरान कुल 608 दिन बिताए और एक महिला के रूप में सबसे अधिक नौ बार स्पेस वॉक करने का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें उन्होंने कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में बिताए। यह 107वीं वार्षिक 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड थी। इसमें हजारों पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सशस्त्र बलों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक समूहों और स्कूलों के दलों ने हिस्सा लिया, और कई बैंड भी शामिल हुए। परेड में कई कंपनियों की झांकियां थीं, जिनमें उनके यहां काम करने वाले पूर्व सैन्य कर्मियों को दिखाया गया था। परेड से एक दिन पहले, विलियम्स ने 'यूएसएस सैन एंटोनियो' जहाज पर मरीन कॉर्प्स की स्थापना की 251वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया।

पाकिस्तान में पुलिस टीम पर हमला, 11 की मौत

अवैध सोने की खदान पर छापेमारी करने गए थे, हमलावरों ने पहाड़ियों से गोलियां बरसाईं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक डीएसपी और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और हमलावरों के बीच भारी गोलीबारी हुई।

पुलिस ने टीटीपी पर हमले का आरोप लगाया

हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा जवान भेजे गए। पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायलों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय टीचिंग अस्पताल में इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस ने हमले के पीछे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों का हाथ बताया है। टीटीपी को



पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। यह पाकिस्तान में सक्रिय एक आतंकी संगठन है, जो पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ लड़ता है। टीटीपी पाकिस्तान में इस्लामी कानून यानी शरिया लागू करना चाहता है।

खुदाई मशीनें खड़ी करने पर रोक लगी थी

कोहाट में अवैध तरीके से सोना निकालने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पहले से कार्रवाई कर रहा था। हमले से एक दिन पहले ही डिप्टी कमिश्नर ने खनन वाले इलाकों में 60 दिनों तक खुदाई की मशीनें खड़ी करने पर रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि कुछ लोगों ने खनन वाले इलाकों के पास अपने घरों में ये मशीनें खड़ी कर रखी थीं। इनका इस्तेमाल चोरी-छिपे सोना निकालने में किया जा सकता था। कई बार कार्रवाई के बाद भी लोग इन मशीनों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए कर रहे थे। इसके अलावा, प्रशासन ने खुले डिब्बों और बोतलों में पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन बेचने और खरीदने पर भी रोक लगा दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध तरीके से सोना निकालने के काम में इनका इस्तेमाल किया जा रहा था।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस पर बढ़े आतंकी हमले

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला जारी है। पिछले एक महीने में यहां कई बार पुलिस को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में कई पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि कई घायल हुए हैं।

3 नवंबरः मोहम्मद जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की। इसमें 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हुआ।

29 अक्टूबरः बाजौर जिले में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई।

20 अक्टूबरः उत्तरी वजीरिस्तान में मीरानशाह बाईपास रोड के पास गोलीबारी में एक अतिरिक्त थाना प्रभारी की मौत हो गई।

7 अक्टूबरः कोहाट में आतंकियों ने पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

समाधि के पास ठहाके लगाना पड़ा भारी, अमेरिकी गार्ड ने रोका

रक्षा मंत्री हेगसेथ की टीम को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में वेटरंस डे समारोह के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चर्चा में ला दिया। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री अपनी पत्नी जेनिफर और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में अज्ञात सैनिक की समाधि के पास तस्वीरें खिंचवाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके समूह के कुछ सदस्य हंसते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहां तैनात अमेरिकी सेना के एक संतरी ने उन्हें तुरंत टोक दिया और स्मारक की गरिमा बनाए रखने की याद दिलाई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार हुई।



संतरी ने क्या कहकर रोका? : संतरी उस समय स्मारक की निगरानी कर रहा था। समूह के कुछ लोगों को हंसते और बातचीत करते देखकर उसने उन्हें नियमों की याद दिलाई। उसने साफ शब्दों में कहा, 'सभी आगंतुक हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखें।' यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में भी सामने आया है। इस समूह में हेगसेथ के अलावा उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार एवं डिप्टी असिस्टेंट टैमी राडाबॉ शामिल थे। घटना सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने संतरी की कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक ने स्मारक पर आने वाले लोगों को वहां की गरिमा बनाए रखने की उचित तरीके से याद दिलाई। पार्नेल के मुताबिक, रक्षा मंत्री और पूरा रक्षा विभाग अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का हमेशा सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस गंभीर दिन को याद करते हुए एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।'

अज्ञात सैनिक की समाधि इतनी खास क्यों है?: अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में स्थित अज्ञात सैनिक की समाधि अमेरिका के सबसे पवित्र सैन्य स्मारकों में गिनी जाती है। यहां प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए एक ऐसे अमेरिकी सैनिक को अंतिम विदाई दी गई थी, जिसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इस समाधि की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान संभालते हैं। इसे 'द ओल्ड गार्ड' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1948 से यहां लगातार संतरी तैनात हैं।



स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई। हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है। किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

ट्रंप-नेतन्याहू के बीच तीखी बहस का दावा, फोन पर बातचीत चिल्लाने तक पहुंची

ईरान पर कार्रवाई को लेकर उभरे मतभेद

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के खिलाफ युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें सामने आई हैं। इस्राइली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों के बीच ईरान को लेकर अमेरिकी और इस्राइली रणनीति पर मतभेद सामने आए। इस्राइल के समाचार संस्थानों येनेट और येदियोत अहरोनोत की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप पर ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने का दबाव बनाया। वहीं, ट्रंप ने तेहरान के साथ चल रही शांति वार्ता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं के बीच किस बात पर मतभेद? : रिपोर्टों के मुताबिक, नेतन्याहू लगातार अमेरिका से ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखकर कूटनीतिक बातचीत के जरिए रियायतें हासिल करना चाहते हैं। दोनों मीडिया संस्थानों ने सूत्रों के हवाले से बातचीत को बेहद तीखी बताते हुए इसे 'शाउटिंग मैच फ्रॉम हेल' यानी तीखी बहस कहा। हालांकि, इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच सप्ताहांत में बातचीत होने की पुष्टि की, लेकिन किसी टकराव से इनकार किया। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी बातचीत के दौरान झगड़े की खबरों को खारिज किया। कार्यालय ने इन रिपोर्टों को



'फेक न्यूज' बताया।

पहले भी फोन पर हुई थी तीखी बातचीत : ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर पहले भी फोन पर तीखी बातचीत हो चुकी है। जून में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर असहमति सामने आई थी। उस दौरान ट्रंप ने द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने नेतन्याहू को अपशब्द बोलते हुए पागल कहा था। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी कुछ दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि नेतन्याहू ट्रंप को रोजाना फोन कर ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्तूबर चुनाव के बाद नेतन्याहू की स्थिति पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव में सीटें गंवाने के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ दोबारा हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की मांग जारी रखी है। मंगलवार को 26वीं नेसेट विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व को बदलना ही उस खतरे को खत्म करने का एकमात्र रास्ता है, जिसे वह तेहरान का आतंक बताने वाली नीति और परमाणु कार्यक्रम से जोड़ते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान परमाणु खतरे को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। इस अस्तित्व के खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला शासन को हटाना है।'

ट्रंप ने फिर युद्ध शुरू करने से किया इनकार

नेतन्याहू की मांगों के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने के संकेत नहीं दिए हैं। वह आर्थिक दबाव अभियान जारी रखकर ईरान को बातचीत की मेज पर रियायतें देने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रविवार को '60 मिनट्स' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर शुरू करेंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हालिया बातचीत ने ईरान को लेकर उनकी अलग-अलग रणनीतियों को उजागर किया है। नेतन्याहू सैन्य कार्रवाई और सत्ता परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, जबकि ट्रंप कूटनीति और आर्थिक दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सम्पादकीय

भगवान बिरसा मुंडा: साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की अमर विरासत



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

15 नवंबर केवल एक महान क्रांतिकारी की जयंती का दिन नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास के उस गौरवशाली अध्याय को स्मरण करने का अवसर है, जिसने अन्याय के सामने झुकने के बजाय संघर्ष और स्वाभिमान का रास्ता चुना। यह दिन महान आदिवासी जननायक, स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक चेतना के अग्रदूत भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने के साथ-साथ जनजातीय समाज के संघर्ष, संस्कृति और योगदान को सम्मान देने का भी दिन है।

15 नवंबर 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में जो ऐतिहासिक भूमिका निभाई, वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगी। अंग्रेजी हुकूमत के दौर में जब आदिवासी समाज को उसकी पारंपरिक जमीन, प्राकृतिक संसाधनों और अधिकारों से वंचित किया जा रहा था, तब बिरसा मुंडा ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित कर उसमें आत्मसम्मान, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा की। बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राजनीतिक प्रतिरोध नहीं था, बल्कि यह अपनी सभ्यता, संस्कृति, परंपरा और अस्तित्व को बचाने का व्यापक आंदोलन था। उनके लिए जल, जंगल और जमीन केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि आदिवासी जीवन की आत्मा और पहचान थे। उन्होंने समझा कि जिस समाज की जमीन, संस्कृति और अधिकार छीन लिए जाते हैं, उसकी सामाजिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता भी संकट में पड़ जाती है। इसी चेतना ने आगे चलकर ऐतिहासिक उलगुलान यानी महाविद्रोह का रूप लिया। यह आंदोलन अंग्रेजी शासन की शोषणकारी नीतियों और जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध आदिवासी अस्मिता की बुलंद आवाज बना। बिरसा मुंडा ने अपने नेतृत्व से यह सिद्ध किया कि संगठित समाज के साहस और संकल्प के सामने बड़ी से बड़ी सत्ता को चुनौती दी जा सकती है।

उनकी वीरता का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि उन्होंने संघर्ष को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि सामूहिक अधिकारों और सामाजिक सम्मान से जोड़ा। उन्होंने आदिवासी समाज को अपनी पहचान पर गर्व करना सिखाया और यह संदेश दिया कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता, एकता और आत्मविश्वास सबसे बड़ी शक्ति हैं। 9 जून 1900 को रांची जेल में उनका जीवन समाप्त हो गया, लेकिन उनके विचारों की मशाल कभी बुझी नहीं। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने जो चेतना जगाई, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई। यही कारण है कि आज भी आदिवासी समाज उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ धरती आबा के नाम से याद करता है। बिरसा मुंडा की जयंती को भारत सरकार द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय भी इसी ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में जनजातीय समाज के वीर नायकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

आज के दौर में बिरसा मुंडा की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। विकास की दौड़ में जल, जंगल और जमीन की रक्षा, आदिवासी समुदायों के संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण, उनकी सांस्कृतिक पहचान का सम्मान और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। केवल जयंती मनाने और श्रद्धांजलि देने से हमारा दायित्व पूरा नहीं होता। उनके संघर्ष के मूल उद्देश्यों को समझना और उन्हें व्यवहार में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

आज जरूरत इस बात की है कि भगवान बिरसा मुंडा को केवल इतिहास के नायक के रूप में नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शक के रूप में देखा जाए। उनका जीवन हमें सिखाता है कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, कमजोर और वंचित समाज के अधिकारों की रक्षा करना तथा अपनी संस्कृति और अस्मिता पर गर्व करना ही सच्चे राष्ट्रप्रेम की पहचान है।

धरती आबा अमर रहें!

प्रधान संपादक

33 वां एपीईसी आर्थिक नेताओं का शिखर सम्मेलन शेनझेन चीन 18-19 नवंबर

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तीव्र भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनियाँ एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है,जहां एक ओर तकनीकी व्यवस्थाओं की छोटी-सी चूक वैश्विक परिवहन और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है,वहीं दूसरी ओर विश्व की तीन प्रमुख शक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों की प्रस्तावित ऐतिहासिक मुलाकात अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का नया अध्याय लिखने की तैयारी कर रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप,चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 19 नवंबर 2026 को चीन के शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक इसी बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन सकती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह केवल तीन राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात नहीं,बल्कि परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान संकट, वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और भविष्य की विश्व व्यवस्था से जुड़े अनेक सवालों का केंद्र है।इस बैठक का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण की अंतिम प्रमुख संधि न्यू स्टार्ट 5 फरवरी 2026 को समाप्त हो चुकी है।ऐसे समय में चीन को भी परमाणु वार्ता के दायरे में लाने की अमेरिकी कोशिश अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम इस ऐतिहासिक मुलाकात की पृष्ठभूमि को समझने की करें तो चीन के टेक हब माने जाने वाले शहर शेनझेन में आयोजित 21 आर्थिक महाशक्तियों जिसमें भारत शामिल नहीं है,33वां एपीईसी आर्थिक नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है।जिसमें चीन के लिए वैश्विक नेतृत्व दिखाने का अवसर एपीईसी अर्थात एशिया- प्रशांत आर्थिक सहयोग वर्ष 1989 में स्थापित एक अंतर-सरकारी आर्थिक मंच है, जिसमें 21 सदस्य अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

इसका उद्देश्य क्षेत्रीय व्यापार, निवेश, आर्थिक एकीकरण और तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहित करना है।इसकी एक विशेषता यह है कि इसके निर्णय बाध्यकारी संधियों के बजाय स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं और आपसी सहमति पर आधारित होते हैं। चीन के शेनझेन में 18 और 19 नवंबर 2026 को मुख्य शिखर सम्मेलन आयोजित होगा,जबकि 17 और 18 नवंबर को एपीईसी सीईओ सम्मेलन होगा। इस वर्ष का विषय एशिया-प्रशांत समुदाय की समृद्धि और साझाविकास पर केंद्रित है।

शेनझेन चीन का आधुनिक प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवाचार और औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र है। इस आयोजन के माध्यम से चीन न केवल अपनी आर्थिक प्रगति बल्कि वैश्विक व्यापार और कूटनीति में अपनी बढ़ती भूमिका भी प्रदर्शित करना चाहता है। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एपीईसी का मूल उद्देश्य आर्थिक सहयोग है,लेकिन इसके इतर होने वाली तीन महाशक्तियों की बैठक पूरी दुनिया का ध्यान रणनीतिक राजनीति की ओर खींच सकती है।यदि ट्रंप,शी व पुतिन एक साथ बैठकर परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा पर चर्चा करते हैं, तो इसका प्रतीकात्मक संदेश अत्यंतव्यापक होगा।विश्लेषण की दृष्टि से इसे वैश्विक शक्ति- संतुलन में तीन प्रमुख केंद्रों के बीच संभावित समन्वय की शुरुआत माना जा सकता है।

हालांकि, इसे अभी से जी-3 जैसी औपचारिक व्यवस्था या विश्व संचालन के नए गठबंधन का नाम देना जल्दबाजी होगी। तीनों देशों के बीच व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय विवाद, प्रतिबंध, सैन्य रणनीतियां और राष्ट्रीय हितों के अंतर काफी गहरे हैं। फिर भी ऐसी बैठक यह संकेत अवश्य दे सकती है कि वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिद्वंद्वी महाशक्तियां भी प्रत्यक्ष संवाद की आवश्यकता स्वीकार कर रही हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

परीक्षाओं की दस्तकः अब मेहनत का समय

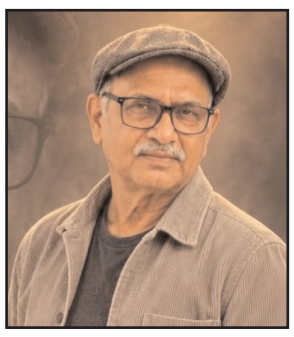

डॉ. विजय गर्ग

परीक्षाओं का मौसम धीरे-धीरे नजदीक आ रहा है। विद्यालयों में पाठ्यक्रम पूरा करने, पुनरावृत्ति कराने और विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए तैयार करने की गतिविधियां तेज हो गई हैं। विद्यार्थियों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूरे वर्ष की पढ़ाई, अभ्यास और मेहनत का मूल्यांकन अब परीक्षाओं के माध्यम से होने वाला है। यह केवल अंक प्राप्त करने का समय नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को पहचानने, कमजोरियों को दूर करने और आत्मविश्वास विकसित करने का भी अवसर है।

परीक्षाओं की दस्तक विद्यार्थियों को यह संदेश देती है कि अब समय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। पूरे वर्ष पढ़ाई को टालते रहने, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर अनावश्यक समय बिताने तथा अंतिम दिनों में तैयारी करने की आदत से बचना चाहिए। सफलता के लिए नियमित मेहनत, अनुशासन और सही दिशा में किया गया प्रयास आवश्यक है।

परीक्षा की तैयारी में समय प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यार्थियों को अपने सभी विषयों के लिए एक व्यावहारिक समय-सारणी बनानी चाहिए। कठिन विषयों को अधिक समय देना चाहिए, लेकिन आसान विषयों की पुनरावृत्ति भी नियमित रूप से करते रहना चाहिए।

एक अच्छी समय-सारणी में पढ़ाई के साथ-साथ विश्राम, खेल, भोजन और पर्याप्त नींद के लिए भी स्थान होना चाहिए। लगातार कई घंटे पढ़ने के बजाय छोटे-छोटे अध्ययन सत्र अधिक प्रभावी हो सकते हैं। प्रत्येक दिन के लिए छोटे लक्ष्य निर्धारित करने से पढ़ाई व्यवस्थित रहती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए केवल तथ्यों और उत्तरों को याद करना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को विषयों की मूल अवधारणाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। गणित में सूत्रों के प्रयोग और प्रश्नों को हल करने का अभ्यास आवश्यक है। विज्ञान में सिद्धांतों, प्रयोगों, वैज्ञानिक कारणों, आरेखों और दैनिक जीवन में उनके उपयोग को समझना चाहिए।

इसी प्रकार सामाजिक विज्ञान में घटनाओं, तिथियों और तथ्यों को समझने के साथ उनके कारणों और परिणामों पर ध्यान देना चाहिए। भाषाओं में व्याकरण, लेखन कौशल, शब्दावली और पाठों की समझ विकसित करना जरूरी है।

आज की परीक्षाओं में केवल जानकारी याद रखने के बजाय अवधारणात्मक समझ, तार्किक क्षमता और ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को भी महत्व दिया जा रहा है। इसलिए विद्यार्थियों को प्रश्नों के पीछे छिपी अवधारणा समझने की आदत विकसित करनी चाहिए।

परीक्षा की तैयारी को प्रभावी बनाने के लिए पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और नवीनतम मॉडल पेपर का अभ्यास अत्यंत उपयोगी है। इससे विद्यार्थियों को प्रश्नों के प्रकार, परीक्षा के स्वरूप, कठिनाई के स्तर और समय प्रबंधन की जानकारी मिलती है।

बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को नवीनतम पाठ्यक्रम, आधिकारिक सैंपल पेपर और अंकन योजना का विशेष ध्यान रखना चाहिए। निजी प्रकाशकों की अभ्यास पुस्तकों का उपयोग अतिरिक्त तैयारी के लिए किया जा सकता है, लेकिन पाठ्यपुस्तकों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मॉडल पेपर हल करते समय वास्तविक परीक्षा जैसी परिस्थितियां बनानी चाहिए। निर्धारित समय में पूरा प्रश्नपत्र हल करने के बाद उत्तरों का मूल्यांकन करना चाहिए। गलतियों की पहचान करके उन्हें सुधारना चाहिए। केवल प्रश्नपत्र हल करना पर्याप्त नहीं है; अपनी गलतियों से सीखना अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की क्षमता और गति अलग-अलग होती है। कुछ विद्यार्थियों को गणित में कठिनाई होती है, कुछ विज्ञान के सिद्धांतों को समझने में समय लेते हैं, जबकि कुछ को भाषाओं में लेखन संबंधी समस्याएं होती हैं।

परीक्षा से पहले अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय उन्हें पहचानना चाहिए। जिन अध्यायों में कठिनाई हो, उन्हें दोबारा पढ़ें। शिक्षकों, सहपाठियों और अभिभावकों की सहायता लेने में संकोच न करें। कठिन प्रश्नों को बार-बार हल करने से धीरे-धीरे आत्मविश्वास बढ़ता है।

विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि गलती करना असफलता नहीं है। गलती को पहचानकर सुधारना ही वास्तविक सीखने की प्रक्रिया है।

आज विद्यार्थियों के समय का बड़ा हिस्सा मोबाइल फोन, ऑनलाइन गेम और सोशल मीडिया पर खर्च हो जाता है। परीक्षा के दिनों में यह आदत पढ़ाई में सबसे बड़ी बाधा बन सकती है।

मोबाइल का उपयोग शैक्षणिक वीडियो, ऑनलाइन कक्षाओं और अध्ययन सामग्री के लिए किया जा सकता है, लेकिन अनावश्यक स्क्रीन टाइम को सीमित करना जरूरी है। पढ़ाई के समय फोन को दूर रखना और सोशल मीडिया के लिए निश्चित समय निर्धारित करना लाभदायक होगा। डिजिटल संसाधनों का उपयोग तभी उपयोगी है, जब वे पढ़ाई को आसान बनाएं, न कि ध्यान भटकाने का माध्यम बनें।

परीक्षा के समय विद्यार्थियों में तनाव, चिंता और असफलता का डर होना स्वाभाविक है। लेकिन अत्यधिक तनाव उनकी एकाग्रता और कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए पढ़ाई के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम और थोड़ी देर खुली हवा में समय बिताना लाभदायक है। कठिन विषय पढ़ते समय छोटे विराम लेने चाहिए। सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए।

विद्यार्थियों को दूसरों के अंकों से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी की परिस्थितियां, क्षमताएं और सीखने की गति अलग होती है। अपनी पिछली उपलब्धियों से आगे बढ़ना ही वास्तविक प्रगति है।

परीक्षा के समय अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अभिभावकों को बच्चों पर अच्छे अंकों का अनावश्यक दबाव नहीं डालना चाहिए। उन्हें बच्चों की समस्याओं को समझना चाहिए और घर में पढ़ाई के लिए शांत वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

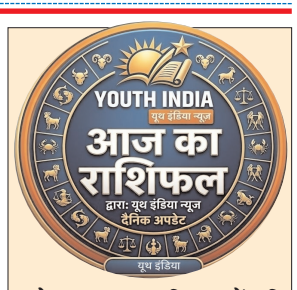

मेषः आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभः आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

मिथुनः आज का दिन उत्साहपूर्ण रहेगा। मित्रों से मुलाकात हो सकती है। व्यापार में सोच-समझकर निर्णय लें।

कर्कः परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। अनावश्यक चिंता से बचें।

सिंहः सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। वाणी पर संयम रखें।

कन्याः कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार के लिए समय निकालें।

तुलाः आज नए अवसर मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना उचित होगा।

वृश्चिकः आत्मविश्वास और साहस में वृद्धि होगी। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। जल्दबाजी में निर्णय न लें।

धनुः धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को सफलता के लिए मेहनत करनी होगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।

मकरः नौकरी और व्यवसाय में अनुकूल परिस्थितियां बन सकती हैं। परिवार में खुशियां रहेंगी। निवेश में सावधानी रखें।

कुंभः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिल सकती है। नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीनः दिन सकारात्मक रहेगा। धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक प्रेस ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान है

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

भारत में प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल पत्रकारिता के सम्मान और उसकी उपलब्धियों को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, विश्वसनीयता, सामाजिक उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का आत्ममंथन भी है। किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन स्थापित करने तथा जनता की आवाज को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाने में प्रेस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।



लोकतंत्र की आत्मा, जनभावनाओं का दर्पण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है स्वतंत्र प्रेस। राष्ट्रीय प्रेस दिवस हमें इसी भूमिका के महत्व और उसके भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। भारत में 16 नवंबर 1966 को भारतीय प्रेस परिषद ने औपचारिक रूप से कार्य करना प्रारंभ किया था। इसी ऐतिहासिक अवसर की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना तथा पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखना है। यह एक ऐसी संस्था है, जो पत्रकारिता में नैतिकता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के मूल्यों को प्रोत्साहित करती है।

भारत में पत्रकारिता का इतिहास केवल समाचारों के प्रकाशन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक जागरण, राष्ट्रीय चेतना और जनअधिकारों के संघर्ष से गहराई से जुड़ा रहा है। राजा राममोहन राय, बाल गंगाधर तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गांधी और बाबूराव विष्णु पराड़कर जैसे महान व्यक्तित्वों ने पत्रकारिता को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। उनके लिए समाचार पत्र केवल कागज पर छपे शब्द नहीं थे, बल्कि जनचेतना जगाने और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के सशक्त अस्त्र थे।

कल की पत्रकारिता - संघर्ष, समर्पण और राष्ट्र चेतना, भारतीय पत्रकारिता का अतीत त्याग, तपस्या, संघर्ष और सामाजिक प्रतिबद्धता की गौरवशाली गाथा है। जब देश अंग्रेजी शासन की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, उस समय समाचार पत्रों ने जनता में स्वतंत्रता की चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। तत्कालीन पत्रकारों के सामने आर्थिक संकट, सरकारी प्रतिबंध, मुकदमे, जेल और उत्पीड़न जैसी अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने अपने लेखनी धर्म से समझौता नहीं किया। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने अपने समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की नीतियों का प्रखर विरोध किया। गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपनी पत्रकारिता को गरीबों, किसानों, मजदूरों और पीड़ितों की आवाज बनाया। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और नैतिकता को पत्रकारिता का आधार माना। उनके लिए पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाना था। उस दौर की पत्रकारिता में सीमित संसाधन थे, लेकिन विचारों की व्यापकता और उद्देश्य की स्पष्टता थी। समाचारों की संख्या भले ही कम होती थी, मगर उनकी विश्वसनीयता और प्रभाव व्यापक होता था। पत्रकार सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखते थे और जनता के हितों को सर्वोपरि मानते थे। यही वह विरासत है, जिसने भारतीय पत्रकारिता को लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशेष स्थान दिलाया।

आज की पत्रकारिता - तकनीक, विस्तार और विश्वसनीयता की चुनौती; वर्तमान समय में पत्रकारिता का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के साथ-साथ टेलीविजन, समाचार पोर्टल, मोबाइल एप और सामाजिक माध्यमों ने सूचना के संसार को व्यापक बना दिया है। अब किसी घटना की जानकारी कुछ ही क्षणों में देश-दुनिया तक पहुंच जाती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

अमेरिका का आसमान ठहर गया

डॉ. सत्यवान सौरभ

अमेरिका से आई विमानन क्षेत्र की खबर केवल एक देश के हवाई यातायात में आई अव्यवस्था की कहानी नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भर होती दुनिया के सामने खड़े एक बड़े खतरे का संकेत भी है। जिस अमेरिका को तकनीकी विकास, वैज्ञानिक नवाचार और आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अग्रणी देश माना जाता है, उसी के हवाई यातायात तंत्र में आई गंभीर तकनीकी गड़बड़ी ने हजारों उड़ानों को प्रभावित कर दिया। प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं, उड़ानों के सूचना पट्टों पर रद्द होने और देरी की सूचनाएँ दिखाई देने लगीं तथा हजारों लोग अपनी यात्रा के अगले कदम को लेकर असमंजस में पड़ गए।

13 नवंबर 2026 को अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफ़) ने हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में संचार संबंधी समस्या के कारण देशभर से उड़ान भरने वाले विमानों पर अस्थायी रोक लगा दी। यह फैसला सामान्य परिचालन बाधा नहीं था, बल्कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया एक असाधारण कदम था। लगभग चार घंटे से अधिक समय तक चली इस रोक को अमेरिकी समयानुसार शुक्रवार रात लगभग 8 बजकर 15 मिनट पर हटाया गया। लेकिन हवाई क्षेत्र को दोबारा खोल देने भर से संकट समाप्त नहीं हुआ। विमानों, चालक दल और उड़ान कार्यक्रमों की पूरी व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना एक बड़ी चुनौती बन गया।

14 नवंबर की उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार को मिलाकर हजारों उड़ानें रद्द हो चुकी थीं। शनिवार को ही शुरुआती आंकड़ों में 3,200 से अधिक उड़ानों के रद्द होने की जानकारी सामने आई। शुक्रवार को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और देरी का आंकड़ा भी हजारों में पहुंच गया। विभिन्न उड़ान निगरानी संस्थाओं के आंकड़ों में अंतर है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस घटना से 15 हजार से अधिक उड़ानें किसी न किसी रूप में प्रभावित हुईं और 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों की यात्रा व्यवस्था पर असर पड़ा।

इस संकट की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शिकागो का ओ%हेयर, अटलांटा का हार्ट्सफील्ड-जैक्सन, डलास-फोर्ट वर्थ, न्यूयॉर्क के प्रमुख हवाई अड्डे, डेनवर, लॉस एंजिलिस और सैन फ्रांसिस्को जैसे व्यस्त विमानन केंद्र भी इससे प्रभावित हुए। ये केवल यात्रियों के आने-जाने के स्थान नहीं हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, रोजगार और वैश्विक संपर्क के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित होने का असर अमेरिका की सीमाओं से बाहर दूसरे देशों की उड़ानों और यात्रियों तक पहुंचना स्वाभाविक था। यूरोप और अन्य क्षेत्रों से अमेरिका आने-जाने वाली उड़ानों के कार्यक्रम भी प्रभावित हुए।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों? अमेरिकी अधिकारियों के शुरुआती बयानों के अनुसार, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों के बीच संचार व्यवस्था में तकनीकी समस्या पैदा हुई। परिवहन सचिव सीन डफी ने पुराने और आधुनिकीकृत किए जा रहे उपकरणों तथा नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव को समस्या की वजह बताया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संचार नेटवर्क में असंगत आंकड़ों और उपकरणों की कार्यक्षमता से जुड़ी परेशानी सामने आई। इसके कारण विमानन नियंत्रण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए और सुरक्षा की दृष्टि से उड़ानों को रोकना आवश्यक समझा गया।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

शादी-ब्याह में मेहमान बनकर पहुंचिए, कहीं बीमा एजेंट के चंगुल में न फंस जाइए!

यूथ इंडिया

आम आदमी जब किसी दोस्त या रिश्तेदार के यहां शादी-ब्याह अथवा किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने जाता है, तो उसकी ख्वाहिशें बहुत छोटी और सीधी होती हैं। वह चाहता है कि बढ़िया खाना मिले, पुराने परिचितों से मुलाकात हो, कुछ देर हंसी-मजाक हो, बच्चों की पढ़ाई, महंगाई, नौकरी और समाज की बदलती परिस्थितियों पर बातचीत हो और फिर रात को खुशी-खुशी अपने घर लौट आए। लेकिन आजकल सामाजिक आयोजनों में इन छोटी-छोटी खुशियों पर भी एक नया संकट मंडराने लगा है।

यह संकट न तो भोजन में परोसे जाने वाले पकवानों की कमी से पैदा होता है और न ही किसी नाराज रिश्तेदार या पुराने पारिवारिक विवाद से। इसकी वजह एक ऐसा परिचित होता है, जो किसी बीमा कंपनी से जुड़ा होता है। वह समारोह में मेहमान बनकर जरूर आता है, लेकिन उसकी निगाहें मेजबान के रिश्तेदारों से ज्यादा संभावित ग्राहकों पर टिकी रहती हैं।

आप अभी समारोह में पहुंचे ही हैं। जूते उतारकर किसी कुर्सी पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं कि तभी एक सज्जन बड़ी आत्मीयता के साथ आपके सामने प्रकट होते हैं। चेहरे पर ऐसी मुस्कान, जैसे कई वर्षों से केवल आपसे मिलने का इंतजार कर रहे हों। बातचीत का सिलसिला शुरू होता है। घर-परिवार का हाल पूछा जाता है, बच्चों की पढ़ाई के बारे में जानकारी ली जाती है और नौकरी या कारोबार की स्थिति जानने में विशेष रुचि दिखाई जाती है।

आपको लगता है कि दुनिया में आज भी रिश्तों की गर्माहट बाकी है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती। कुछ ही मिनटों बाद सवाल आता है कि आपने अपने परिवार के भविष्य के लिए कोई अच्छा टर्म इंश्योरेंस लिया है या नहीं?

बस, यहीं से बातचीत का रंग बदल जाता है। आप शादी में शामिल होने आए थे, लेकिन अब अचानक आपको अपनी आर्थिक जिम्मेदारियों का पूरा हिसाब याद आने लगता है।

बीमा एजेंट साहब समझाने लगते हैं कि आज के दौर में जीवन का कोई भरोसा नहीं है। कभी बीमारी, कभी दुर्घटना, कभी नौकरी की परेशानी और कभी कारोबार में नुकसान। इसलिए समझदार व्यक्ति वही है, जो समय रहते अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा का इंतजाम कर ले।

आप उनकी बातें सुनते हुए मन ही मन सोचते हैं कि अभी तो दूल्हे की जयमाला भी नहीं हुई और इन्होंने जिंदगी के आखिरी अध्याय की तैयारी शुरू करवा दी।

बीमा बेचने वालों की एक खास खूबी होती है। वे किसी भी अवसर को अपनी योजना बेचने का उपयुक्त मौका बना सकते हैं। बच्चे का जन्मदिन हो तो उसकी शिक्षा और भविष्य की चिंता सामने रख देंगे। शादी में मिलें तो पति-पत्नी की आर्थिक सुरक्षा का सवाल उठा देंगे। नया मकान खरीदने की खबर मिले तो संपत्ति बीमा की चर्चा शुरू कर देंगे। नौकरी से रिटायर हुए व्यक्ति को पेंशन और बचत की योजनाएं समझाने लगेंगे।

उनके लिए कोई भी समारोह सिर्फ समारोह नहीं होता, बल्कि संभावित ग्राहकों से मिलने का अवसर होता है।

मान लीजिए आप खाने की मेज पर पहुंच गए हैं। प्लेट में गरमागरम पकवान रखे हैं और आप इत्मीनान से भोजन का आनंद लेना चाहते हैं। तभी वही परिचित आपके बगल में आकर बैठ जाता है। अभी आप पहला निवाला ही लेने वाले होते हैं कि सवाल आता है, आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस कितना है?

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

नेहरू का नेतृत्वः उपलब्धियां, चुनौतियां और अधूरी संभावनाएं

यूथ इंडिया

इतिहास केवल महान व्यक्तियों की उपलब्धियों का गुणगान करने का माध्यम नहीं होता, बल्कि उनके फैसलों, सीमाओं और दूरदर्शिता का निष्पक्ष आकलन करने का अवसर भी देता है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का व्यक्तित्व और उनका राजनीतिक जीवन भारतीय इतिहास का ऐसा ही महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसकी चर्चा आज भी लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और आर्थिक विकास के संदर्भ में प्रासंगिक बनी हुई है।

नेहरू को समझने के लिए केवल राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं है। उनके योगदान और कमियों, दोनों का संतुलित मूल्यांकन आवश्यक है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व उच्चायुक्त वाल्टर क्रॉकर की पुस्तक %नेहरू ः ए कंटेम्परेरीज एस्टिमेट% इस दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। क्रॉकर ने भारत में अपने राजनयिक कार्यकाल के दौरान नेहरू को निकट से देखा और उनके व्यक्तित्व तथा शासन शैली का विश्लेषण किया। उनकी पुस्तक नेहरू के समकालीन मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

क्रॉकर के अनुसार, प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू की सबसे बड़ी उपलब्धि तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखना थी। आजादी के बाद देश के सामने गरीबी, अशिक्षा, सामाजिक असमान

अवैध खनिज परिवहन से अर्जित 04.18 करोड़ की संपत्ति जब्त

सोनभद्र।

चोपन थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गिट्टी एवं बालू जैसी खनिज सम्पदा के परिवहन से अर्जित धनराशि से क्रय की गई 03 अभियुक्तों की कुल चार करोड़ अठारह लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शनिवार को बताया कि थाना चोपन पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गिट्टी एवं बालू जैसी खनिज सम्पदा के परिवहन से अर्जित धनराशि से क्रय की गई तिन अभियुक्तों की कुल 4,18,00,000/- (चार करोड़ अठारह लाख रुपये) की चल-अचल संपत्ति आज दिनांक 14.11.2026 को कुर्क की गई।

चोपन थाना पर गैंगस्टर एक्ट से संबंधित तिन अभियुक्तगण आरिफ खान पुत्र निजामुद्दीन निवासी ग्राम परही, थाना रॉबर्ट्सगंज, अखिलेश केशरी पुत्र संजय केशरी निवासी वैनी, थाना रायपुर और छोटू यादव पुत्र संकठा प्रसाद यादव निवासी मारकुण्डी थाना चोपन की कुल 4,18,00,000 रुपये की संपत्ति कुर्क किया गया है। उक्त अभियुक्तगण द्वारा बिना वैध परमिट के गिट्टी एवं बालू जैसी खनिज सम्पदा का अवैध परिवहन कर आपराधिक गतिविधियों से अवैध धन अर्जित किया गया तथा उक्त धनराशि से अपने एवं परिजनों के नाम पर विभिन्न ग्रामों में चल-अचल संपत्तियां क्रय की गई थीं। पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों को चिन्हित कर कुर्की की कार्रवाई हेतु संबंधित रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित किया था। जिला मजिस्ट्रेट ने इस मामले में आदेश जारी किया। उक्त आदेशों के अनुपालन में आज दिनांक 14.11.2026 को तीनों अभियुक्तों की कुल वर्तमान कीमत 4,18,00,000 रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस टीम ने आरिफ खान की 1,43,00,000 की संपत्ति व अखिलेश केशरी की 1,25,00,000 की संपत्ति और अभियुक्त छोटू यादव की 1,50,00,000 रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है।

90 के दशक के गीतों ने ताजा कीं पुरानी यादें, बाल कलाकारों ने बांधा समां

लखनऊ।

संगीत की कोई उम्र नहीं होती, अच्छे गीत पीढ़ियों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं। 90 के दशक के सदाबहार गीतों के जरिए नई पीढ़ी को पुराने संगीत की विरासत से परिचित कराने का प्रयास सराहनीय है। यह बातें शनिवार को गोमती नगर स्थित उर्दू अकादमी सभागार में आयोजित 90 दशक के रोमांटिक मेलोडीज संगीत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. भरत राज सिंह ने कहीं।

बाल दिवस के अवसर पर आयोजित इस समारोह में 90 के दशक के रोमांटिक और सदाबहार हिंदी फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को पुरानी यादों में पहुंचा दिया। दूरदर्शन के प्रवीण कुमार मिश्रा, आकाशवाणी से जुड़े कलाकारों और लखनऊ के प्रतिष्ठित संगीतकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। गीतों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में बाल प्रतिभाओं गार्गी द्विवेदी और प्रियाली श्रीवास्तव की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण रहीं। दोनों बाल कलाकारों ने अपनी गायन प्रतिभा से दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कमांडेंट पीएसी सीतापुर बाबिता साहू भी मौजूद रहीं। उन्होंने कलाकारों और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक रवि अग्रवाल ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बनाया।

त्वचा, बाल और आंखों के रंग से जुड़े 5,146 जीन वेरिएंट्स का बीएचयू के वैज्ञानिकों ने तैयार किया दुनिया का सबसे बड़ा डेटाबेस

663 शोधपत्रों के निष्कर्षों को एक मंच पर किया गया संकलित, 111 वर्णक विकारों की जानकारी भी उपलब्ध

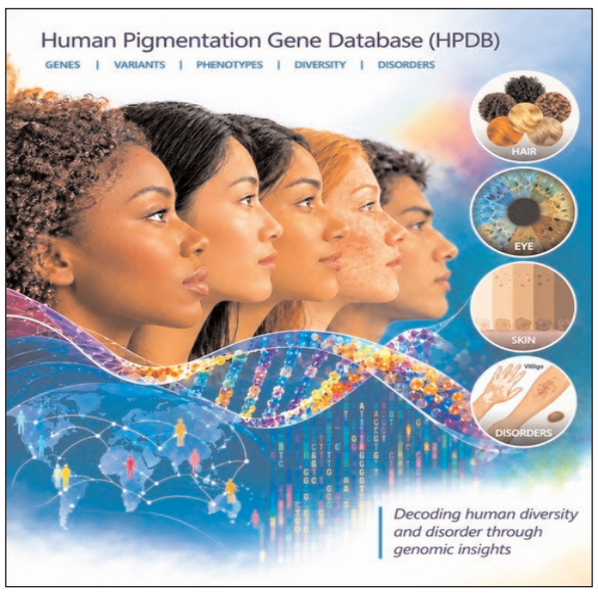

वाराणसी, 14 नवम्बर (हि.स.)। चिकित्सा विज्ञान और आनुवंशिकी के क्षेत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान के सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर्स के शोधकर्ताओं ने मानव त्वचा, बाल और आंखों के रंग को निर्धारित करने वाले जीन और उनसे जुड़े आनुवंशिक बदलावों का दुनिया का सबसे विस्तृत डेटाबेस तैयार किया है। 'ह्यूमन पिगमेंटेशन डेटाबेस' (एचपीडीबी) नामक यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पिगमेंटेशन से संबंधित शोध और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शोधकर्ताओं की यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका 'फ्रंटियर्स इन बायोइंफॉर्मेटिक्स' में प्रकाशित हुई है। यह डेटाबेस दुनिया भर के त्वचा रोग विशेषज्ञों, आनुवंशिकीविदों, चिकित्सा वैज्ञानिकों और शोधार्थियों को एक ही मंच पर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

–663 शोधपत्रों के निष्कर्षों को एक मंच पर किया संकलित

मानव त्वचा, बाल और आंखों का रंग आनुवंशिक संरचना, पराबैंगनी विकिरण के प्रति विकासवादी अनुकूलन और विभिन्न आबादी के ऐतिहासिक विकास से प्रभावित होता है। इस विषय पर दुनिया भर में सैकड़ों शोध हो चुके हैं, लेकिन उनसे प्राप्त जानकारियां अलग-अलग वैज्ञानिक प्रकाशनों में बिखरी हुई थीं।

बीएचयू के वैज्ञानिकों ने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए 663 सहकर्मी-समीक्षित शोधपत्रों के निष्कर्षों का व्यवस्थित संकलन किया है। इसके आधार पर तैयार एचपीडीबी में कुल 5,146 जीन वेरिएंट्स और 111 पिगमेंटेशन संबंधी विकारों की जानकारी उपलब्ध कराई गई है। इससे शोधकर्ताओं को अलग-अलग प्रकाशनों में जानकारी तलाशने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

–जीन और आनुवंशिक बदलावों की जानकारी मिलेगी चंद सेकंड में

एचपीडीबी में उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए बुनियादी और उन्नत खोज की व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से शोधकर्ता जीन के नाम, जीन वेरिएंट पहचान संख्या (आरएसआईडी), आबादी, शोध प्रकाशन और क्रोमोसोम में जीन की स्थिति जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इस डिजिटल प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसका इस्तेमाल करने के लिए किसी पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। यह दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के लिए पूरी तरह निःशुल्क और ओपन-एक्सेस उपलब्ध है। इसका उद्देश्य मानव आनुवंशिकी, जनसंख्या जीनोमिक्स, विकासवादी जीवविज्ञान और आनुवंशिक विकारों से जुड़े शोध को प्रोत्साहित करना है।

काशी में गूंजा 'बम-बम' का जयकारा, गणेश आचार्य ने नमो घाट पर लॉन्च किया महादेव भक्ति गीत

वाराणसी।

काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में शनिवार शाम भक्ति और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। मशहूर कोरियोग्राफर एवं फिल्म निमार्ता गणेश आचार्य ने अपनी आगामी फिल्म गणेशः डस्ट टू स्टारडम के भक्ति गीत बम-बम का भव्य अनावरण नमो घाट पर किया। मां गंगा के पावन तट पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय प्रशंसकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गीत के लॉन्च के दौरान पूरा माहौल महादेव की भक्ति और बम-बम के जयकारों से गूंज उठा।

–गंगा आरती में शामिल होकर लिया महादेव का आशीर्वाद

गीत के अनावरण के बाद गणेश आचार्य दशाश्वमेध घाट पहुंचे, जहां उन्होंने पवित्र गंगा आरती में सहभागिता की। मां गंगा की आरती और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा के बीच उन्होंने महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। नमो घाट पर भक्ति गीत का अनावरण और दशाश्वमेध घाट की दिव्य गंगा आरती ने उनकी वाराणसी यात्रा को यादगार बना दिया।

–काशी में अपने सबसे बड़े शिव भक्ति गीत को लॉन्च करना सौभाग्य

इस अवसर पर गणेश आचार्य ने कहा कि काशी, बाबा भोलेनाथ की नगरी में आकर छठ के पावन अवसर पर अपनी फिल्म का सबसे बड़ा शिव भक्ति गीत लॉन्च करना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए इससे बड़ी बात क्या होगी कि काशी की नगरी, भोले की नगरी में आकर मैंने आज छठ के अवसर पर अपनी फिल्म का सबसे बड़ा गाना, जो शिवजी का है, उसे लॉन्च किया। यह शिवजी का गाना सिर्फ गाना नहीं है, यह हमारी भक्ति है, मेरे परिवार की भक्ति है। इस गाने को बनाने में हमने बहुत मेहनत की है।

उन्होंने वाराणसी से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उनके करियर में इस शहर का विशेष योगदान रहा है। अभिषेक बच्चन की फिल्म बस इतना सा ख्वाब है का गाना रामजी वाराणसी में शूट किया गया उनका पहला गाना था। इसके बाद उन्होंने यहां कई गानों की शूटिंग की। हाल ही में रणबीर कपूर की फिल्म ब्रह्मास्त्र के लिए भी उन्होंने गाना किया।

–जुनैद कुमार और कल्याण वसंत की आवाज में सजा बम-बम

भक्ति और जोश से भरपूर इस गीत को जुनैद कुमार और कल्याण वसंत ने अपनी आवाज दी है। गीत का संगीत संयोजन एवं कंपोजिशन जुनैद कुमार ने किया है, जबकि इसके बोल गणेश आचार्य ने लिखे हैं।

डॉग शो में 42 नस्लों के 228 श्वानों ने लिया हिस्सा

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के मोतीझील लॉन में शनिवार को ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैंपियनशिप डॉग शो का आयोजन किया गया। कानपुर नगर निगम और कानपुर कैनेल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से 42 नस्लों के 228 श्वानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर प्रमिला पांडेय ने किया।

प्रतियोगिता में शामिल श्वानों ने अपनी नस्ल, बनावट और प्रशिक्षण के आधार पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। महापौर ने विभिन्न वर्गों में विजेता श्वानों को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके निरंजन, पशु कल्याण अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह और आरआई दिनेश कुमार समेत नगर निगम की पशु कल्याण एवं एबीसी टीकाकरण टीम मौजूद रही।

डॉग शो के साथ नगर निगम की ओर से पालतू श्वानों के लिए निशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी दी गई। शिविर में 112 श्वानों का मुफ्त टीकाकरण किया गया, जबकि 87 श्वानों का पंजीकरण किया गया। पंजीकरण कराने वाले श्वानों के स्वामियों को उपहार पैकेट दिए गए।

वहीं, सर्दी से बचाव के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से निराश्रित श्वानों को निशुल्क गद्दे भी वितरित किए गए।

अखिलेश यादव आगरा में आज पी डी ए सम्मेलन को करेंगे संबोधित

आगरा ।

सपा मुखिया अखिलेश यादव रविवार को आगरा में दलित सम्मेलन को संबोधित करेंगे। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी इस सम्मेलन के माध्यम से आगरा में दलित वोटो को रिझाने का प्रयास करेगी।

आगरा- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज रविवार को आगरा में राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में दोपहर करीब 1:00 बजे दलित सम्मेलन को संबोधित करने आगरा पहुंचेंगे। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आसपास के जनपदों से भी कार्यकताओं को सम्मेलन में सम्मिलित करने के लिए पार्टी के जिला अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है।

पार्टी के राज्यसभा सदस्य राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन ने आगरा में इस सम्मेलन को चुनने की वजह बताते हुये कहा कि आगरा दलित चेतना का केंद्र रहा है इसलिए आगरा इस सम्मेलन के लिये सबसे उपयुक्त स्थान है। वर्तमान में प्रदेश में दलितों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ है। दलितों



के लिए समाजवादी पार्टी का ध्येय हमेशा उनके विकास और उन्नति उनमुख रहा है और पार्टी इसके लिए सदैव काम करती रही है।

पार्टी के जिला अध्यक्ष उदय सिंह कुशवाहा द्वारा बताया गया कि आगरा सहित कई जनपदों के कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। जीआईसी मैदान में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दलित सम्मेलन में पहुंचेंगे कुछ अन्य पार्टियों से भी पदाधिकारी और कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी में सम्मिलित होंगे।

बताते चलें कि आगरा में समाजवादी पार्टी 2012 के बाद से चुनावी सूखे में चल रही है। समाजवादी पार्टी ने 2012 में अंतिम बार आगरा की बाह विधानसभा क्षेत्र सीट जीती थी,इसके बाद करीब 14 सालों से जिले में सपा प्रत्याशी चुनाव में जीत नहीं पाया । जनपद के राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए दलित वोटरों को रिझाने का काम कर रही है और इसी उद्देश्य से यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। पार्टी का मानना है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा से नाराज वोटरों तथा बहुजन समाज पार्टी तथा आजाद समाज पार्टी के बीच में उलझा हुआ दलित वोटर समाजवादी पार्टी के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकता है, इसी उद्देश्य से यह सम्मेलन किया गया है।

गोली मारने की सजा बदली, 42 साल बाद 65 वर्षीय आरोपी को परिवीक्षा का लाभ

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 1982 के फिरोजाबाद गोलीकांड में दोषी ठहराए गए गोपाल की सजा में बड़ी राहत देते हुए उसकी दोषसिद्धि को हत्या के प्रयास से घटाकर धारा 324 आईपीसी में बदल दिया है। न्यायमूर्ति संतोष राय ने यह फैसला सुनाया।

5 मई 1982 को फिरोजाबाद साउथ थाना क्षेत्र (तत्कालीन जिला आगरा) में शिकायतकर्ता ज्ञान सिंह अपने बेटे और एक अन्य व्यक्ति के साथ जा रहे थे। भोला सिंह की



दुकान के पास कहा सुनी हुई और आरोप है कि गोपाल ने गोली चला दी। अपर सत्र न्यायाधीश, आगरा ने 11 जुलाई 1984 को गोपाल और गुलजारी लाल को धारा 307/34 में तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। अपील लंबित रहने के दौरान गुलजारी लाल की मृत्यु हो गई, इसलिए उनके खिलाफ अपील समाप्त कर दी गई।

बचाव पक्ष ने पुरानी रंजिश में झूठा फंसाने का दावा किया, लेकिन कोर्ट ने घायल गवाह समेत प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही को विश्वसनीय माना। चिकित्सकीय साक्ष्य में दाहिनी बांह के पिछले हिस्से में केवल एक गोली की चोट मिली। बार-बार फायरिंग या हत्या की मंशा का ठोस प्रमाण न मिलने पर कोर्ट ने माना कि धारा 307 संदेह से परे सिद्ध नहीं होती, जबकि धारा 324 के तत्व पूरी तरह साबित हैं।

कोर्ट ने कहा कि आरोपी लगभग 65 वर्ष का है, उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और घटना को चार दशक से अधिक बीत चुके हैं। इसलिए उसे परिवीक्षा अपराधी अधिनियम, 1958 की धारा 4 का लाभ दिया गया।

कोर्ट ने कहा एक वर्ष के लिए 50,000 रुपये का व्यक्तिगत बंधपत्र और इतनी ही राशि का एक जमानतदार दें।

ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें विद्यार्थी: भरत राज सिंह

लखनऊ।

विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी अपनाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक विकास नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। यह बातें शनिवार को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) में आयोजित बाल दिवस समारोह में संस्थान के महानिदेशक प्रो. भरत राज सिंह ने कहीं।



उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। नेहरू बच्चों से विशेष स्नेह रखते थे और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। उनका मानना था कि बच्चों को अच्छी शिक्षा, संस्कार और उचित अवसर देकर देश का उज्ज्वल भविष्य तैयार किया जा सकता है। समारोह में संस्थान के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएमएस के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश के भविष्य की आधारशिला है। विद्यार्थियों को शैक्षणिक क्षमता के साथ रचनात्मकता, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का भी विकास करना चाहिए।

अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र के विकास में करना चाहिए।

पहले दिन 71,591 विद्यार्थियों ने दी विषम सेमेस्टर की परीक्षा

कानपुर।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के पहले दिन 71,591 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 4,042 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। तीन पालियों में आयोजित परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुईं। किसी भी केंद्र से सामूहिक नकल या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। यह जानकारी शनिवार को परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि पहले दिन परीक्षा के लिए कुल 75,633 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें 26,002 छात्र और 45,589 छात्राएं शामिल थीं। परीक्षा में 1,975 छात्र और 2,067 छात्राएं अनुपस्थित रहीं। तीनों पालियों में परीक्षा का संचालन



निर्धारित समय के अनुसार कराया गया।

पहली पाली सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक हुई। इसमें पंजीकृत 29,265 विद्यार्थियों में से 28 हजार ने परीक्षा दी, जबकि 1,265 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली सुबह 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित हुई। इसमें 17,165 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 16,325 उपस्थित रहे और 840 ने परीक्षा छोड़ दी। तीसरी पाली दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक हुई। इसमें 25,161 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 24,449 ने परीक्षा दी और 712 अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षाओं को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों पर निगरानी की व्यवस्था की है। समयबद्ध संचालन और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए निर्धारित दिशा-निदेशों का पालन कराया जा रहा है।

तीन केंद्रों पर प्रश्नपत्र छपाई का प्रयोग

इस बार विश्वविद्यालय ने परीक्षा व्यवस्था में नई पहल करते हुए कानपुर के तीन केंद्रों पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रश्नपत्रों की छपाई कराई। इनमें डीएवी पीजी कॉलेज, क्राइस्ट चर्च कॉलेज और जागरण कॉलेज शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन इस प्रयोग से मिले अनुभवों के आधार पर आगामी परीक्षाओं की व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में काम करेगा।

पूर्व कांग्रेस पार्षद सद्दाम की मौत के मामले में पत्नी और सास-ससुर पर मुकदमा दर्ज

पिछड़ा वर्ग महिला के लिए पार्षद सीट आरक्षित होने पर मृतक पार्षद ने किया था दूसरा निकाह

मुरादाबाद।

मुरादाबाद महानगर के थाना मझोला क्षेत्र निवासी कांग्रेस के पूर्व पार्षद सद्दाम की मौत के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी और सास-ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। यह मुकदमा कोर्ट के आदेश पर शनिवार को सद्दाम के पिता सफीन खां की तहरीर पर लिखा गया है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि पत्नी और सास-ससुर ने मकान और प्लाट के लिए सद्दाम को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिछड़ा वर्ग



महिला के लिए पार्षद सीट आरक्षित होने पर मृतक पार्षद ने दूसरा निकाह किया था।

मूल रूप से जनपद अमरोहा के दीपुर निवासी सद्दाम (35 वर्ष) का परिवार सालों पहले मुरादाबाद आकर मझोला थाना क्षेत्र के मियां कालोनी जयंतीपुर में बस गया था। सद्दाम का पहला निकाह 12 साल पहले मझोला के आरटीओ ऑफिस के पास लाकड़ी फाजलपुर में रहने वाले कुन्दरकी थाना क्षेत्र के गांव गजीपुरा निवासी तय्यब की बेटी शमा परवीन के साथ हुआ था। 2017 में सद्दाम कांग्रेस के टिकट पर मुरादाबाद नगर निगम के वार्ड 69 से पार्षद चुना गया।

साल 2022 में यह सीट पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित हुई तो सद्दाम ने मुगलपुरा के पीरगैग निवासी रूबी परवीन से निकाह कर उसे चुनाव लड़ाया और वह पार्षद बन गई। इस बीच बीते 02 अक्टूबर की रात सद्दाम घर में अकेले थे। उनकी दोनों पत्नियां अपने मायके गई थीं। उसी दौरान मकान की तीसरी मंजिल पर स्थित कमरे में सद्दाम ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। जान देने से पहले पत्नी को वीडियो कॉल कर अलविदा भी कहा था।

पूर्व पार्षद की मौत के बाद मझोला पुलिस ने फॉरेंसिक विभाग की फील्ड यूनिट से जांच पड़ताल कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था। उसके अगले ही दिन सद्दाम के पिता ने मझोला थाने में उसकी पहली पत्नी और सास-ससुर के खिलाफ तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने केस नहीं दर्ज किया। जिसके बाद पिता ने कोर्ट में अर्जी लगा दी।

शताब्दी एक्सप्रेस के सामने ट्रैक पर सिर रखकर युवक ने दी जान, राजधानी एक्सप्रेस भी रुकी

अछल्दा में 13 बी क्रॉसिंग के पास हुआ हादसा, करीब पांच मिनट बाद रवाना हुई शताब्दी

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अछल्दा कस्बे में शनिवार देर शाम एक युवक ने 12034 शताब्दी एक्सप्रेस के सामने रेलवे ट्रैक पर सिर रख दिया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना 13 बी क्रॉसिंग के पास खंभा नंबर 1116/22-24 के बीच हुई। युवक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है।



ट्रेन की चपेट में आने के बाद लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को इनायतपुर गांव के पास रोक दिया और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। ट्रेन की जांच के बाद करीब पांच मिनट में उसे आगे रवाना कर दिया गया।

उधर, डाउन ट्रैक पर शव पड़ा होने के कारण कानपुर जा रही राजधानी एक्सप्रेस को रात में क्रॉसिंग के बीच रोकना पड़ा। मौके पर पहुंचे गैंगमैन और आरपीएफ कांस्टेबल ने ट्रैक से शव हटवाकर रास्ता साफ कराया। इसके बाद राजधानी एक्सप्रेस को रवाना किया गया।

सूचना पर पहुंची जीआरपी ने घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की।

छठ महापर्वः आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे व्रती, सीएम योगी भी होंगे शामिल

घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, मुख्यमंत्री सुरक्षा और व्यवस्थाओं का लेंगे जायजा

लखनऊ।
लोक आस्था का महापर्व छठ रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। चार दिवसीय अनुष्ठान के तीसरे दिन व्रती महिलाएं शाम को गोमती नदी, तालाबों और अस्थायी घाटों पर पानी में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगी और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु और आरोग्य की कामना करेंगी। सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण होगी।
गोमती तट स्थित लक्ष्मण मेला मैदान में अखिल भारतीय भोजपुरी समाज की ओर से 43 वर्षों से छठ महापर्व का आयोजन किया जा रहा है।
घाटों पर उमड़ेगी आस्था, लक्ष्मण मेला स्थल के छठ घाट पर मुख्यमंत्री देंगे अर्घ्य

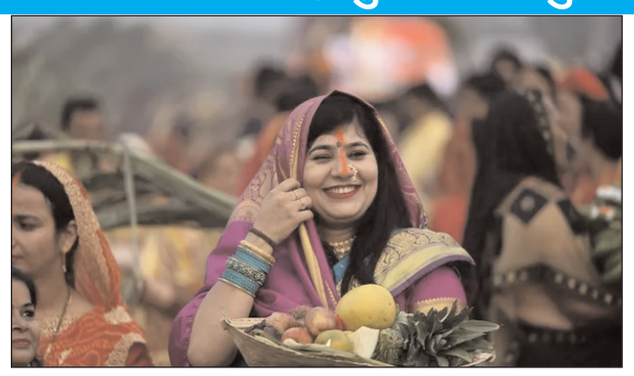

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने बताया कि रविवार को घाट पर शाम चार बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी कार्यक्रम की अध्यक्षता मैं होने वाले आयोजन में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई मंत्री व विधायक शामिल होंगे।
लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी सहित करीब 100 कलाकार छठ गीतों का गुलदस्ता पेश करेंगे। दोपहर दो बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक घाट पर मुख्य आयोजन होंगे।

गुड़ की खीर सेवन के साथ निर्जला महाव्रत शुरू

छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने न केवल दिनभर पारंपरिक प्रसाद बनाया बल्कि पूजन सामग्री की साफ सफाई कर तैयारी पूरी की। दिनभर व्रत रखने के साथ देर शाम गुड़ और चावल की बनी खीर का सेवन कर खरना विधान को पूरा किया। कानपुर रोड एलडीए कालोनी की सुनीता राय ने बताया कि मिट्टी के चूल्हे में प्रमुख प्रसाद ठीक हुआ को बनाया गया इसके अलावा देर शाम अच्छा और चावल की खीर का सेवन कर वर्ष शुरू किया गया यह व्रत सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ थी समाप्त होगा।

खरना के साथ ही 36 घंटे का महाव्रत शुरू

मानस नगर की काजल सिंह ने बताया कि जब तक सभी को प्रसाद का वितरण नहीं कर दिया जाएगा तब तक व्रत का पारण नहीं किया जाता। महिलाएं पारंपरिक गीतों को गाते हुए घाट तक जाती हैं। पति या बेटा सिर पर टोकरी में पूजन सामग्री के साथ घाट पर जाते हैं।गीत गाते हुए घर तक वापस आती हैं। रंजना सिंह ने बताया की बुजुर्ग महिलाएं जब व्रत नहीं कर पाती तो अपने बहू को व्रत देती हैं इसका विधान भी घाट पर ही होता है। कुछ लोग रात भर घाट पर ही रहते हैं सुबह अर्घ्य देने के बाद ही घर वापस आते हैं।

घाटों से मोहल्लों तक बिखरी छठ की रौनक

झूलेलाल वाटिका, मनकामेश्वर मंदिर उपवन और खदरा स्थित शिव मंदिर घाट पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे। महानगर स्थित 35वीं वाहिनी पीएसी के तालाब, कुड़ियाघाट, पक्का पुल, सांझिया घाट और आलमबाग की छोटी-बड़ी नहरों के आसपास भी पूजा होगी।

16 नवंबर से प्रदेश में शुरू होगी स्वगणना की प्रक्रिया, एक दिसंबर से घर-घर जाएंगे जनगणना कर्मी

लखनऊ
यूपी में 16 नवंबर से जनगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। स्वगणना के लिए भारत सरकार का पोर्टल https://se.census.gov.in उपलब्ध रहेगा। यूपी में जनगणना-2027 के दूसरे चरण की स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) 16 नवंबर से शुरू होगी। इसके तहत लोग घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल पर अपने परिवार और सदस्यों से जुड़ी जानकारी खुद दर्ज कर सकेंगे। यह प्रक्रिया 30 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे।
प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि स्वगणना के लिए भारत सरकार का पोर्टल https://se.census.gov.in उपलब्ध रहेगा। इस पर जाकर सबसे पहले उत्तर प्रदेश का चयन करना होगा।



इसके बाद परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी जानकारी दर्ज करनी होगी। मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। सत्यापन के बाद परिवार को अपनी पसंद की भाषा चुनकर आगे की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। स्वगणना करना अनिवार्य नहीं है। जो लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं करेंगे, उनके घर पहुंचकर गणनाकर्मी विवरण जुटाएंगे।

एसईआईडी को रखना होगा सुरक्षित

स्वगणना के तहत फॉर्म भरकर जब सबमिट किया जाएगा तो एक विशेष स्वगणना पहचान संख्या (एसईआईडी) मिलेगी। इसको सुरक्षित रखना होगा। जब जनगणना कर्मी घर पहुंचेंगे तब उनको ये आईडी बतानी होगी। वह उसे सत्यापित करेंगे तब प्रक्रिया पूरी होगी। अगर फॉर्म नहीं भरा होगा तो जनगणना उसी वक्त फॉर्म भरवाकर प्रक्रिया पूरी कराएंगे। घर के मुखिया ही परिवार के सभी सदस्यों का ब्योरा भरेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग लॉगिन नहीं करना है।

एटीएस ने संदिग्ध आतंकियों की मांगी कस्टडी रिमांड, अमृतसर से गिरफ्तार किए गए थे चार आतंकी

लखनऊ
पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर लखनऊ में पुलिस या सेना के जवान की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार अमृतसर के चार आरोपियों से अब यूपी एटीएस कस्टडी रिमांड पर पूछताछ करेगी। एटीएस आरोपियों के पुराने आपराधिक इतिहास, खालिस्तानी कनेक्शन, हथियारों की सप्लाई करने वाले स्थानीय मददगार और उनके पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने में जुटी है।
पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर लखनऊ में पुलिस या सेना के जवान की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार अमृतसर निवासी चारों आरोपियों से एटीएस अब कस्टडी



रिमांड पर पूछताछ करेगी। इसके लिए कोर्ट में अर्जी दी है। रिमांड मिलने के बाद आरोपियों से उनके नेटवर्क, हथियारों की सप्लाई और पाकिस्तान से मिल रहे निदेर्शों के बारे में पूछताछ होगी। तब साजिश से जुड़े कई और अहम तथ्य सामने आएंगे।
इससे पहले एटीएस की एक टीम पंजाब जाकर चारों आरोपियों की पृष्ठभूमि खंगाल चुकी है। वहां जांच में गगनदीप सिंह के खालिस्तानी संगठन से जुड़े होने की जानकारी मिली है। पता चला कि गगनदीप और नाबालिग आरोपी ने पंजाब में एक वारदात को अंजाम दिया था। इसमें दोनों पर केस भी दर्ज हुआ था। एटीएस अब आरोपियों के पुराने आपराधिक इतिहास और वर्तमान में रची गई साजिश के बारे में और जानकारी जुटाएगी।
विज्ञापन

कई और साजिश में शामिल होने की आशंका

जांच एजेंसी को अंदेशा है कि ये सभी कई घटनाओं की साजिश में शामिल रहे हैं। पूछताछ में इसकी पुख्ता जानकारी मिल सकेगी।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत 17 से 20 नवम्बर तक सभी मतदेय स्थलों पर होगी टेबल टॉप एक्सरसाइज

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत प्रदेश की निर्वाचक नामावलियों को त्रुटिरहित, शुद्ध एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी मतदेय स्थलों पर दिनांक 17 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2026 तक बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी।
मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस अभियान के दौरान प्रत्येक



बीएलओ अपने आवंटित मतदेय स्थल की निर्वाचक नामावली का सूक्ष्म एवं गहन परीक्षण करेंगे। परीक्षण के दौरान मतदाताओं के नाम, आयु, जेण्डर, फोटो, पते अथवा अन्य विवरणों में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर संबंधित मतदाता से फॉर्म-8 भरवाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संशोधन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया का पर्यवेक्षण बीएलओ सुपरवाइजर एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 17 नवम्बर से 16 दिसम्बर, 2026 तक निर्धारित है। इस अवधि में प्राप्त होने वाले फॉर्मों का प्रतिदिन डिजिटाइजेशन कराया जाएगा तथा उनका नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जा सकें और मौजूदा प्रविष्टियों में आवश्यक संशोधन भी समय से हो सके।
मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि टेबल टॉप एक्सरसाइज के संबंध में सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए निर्धारित अवधि में कार्यवाही पूर्ण कराई जाए।

लोक आस्था के महापर्व छठ पर श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं होने देंगे - सौरभ श्रीवास्तव

वाराणसी।
वाराणसी में रविवार को कैंट विधानसभा से विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने गंगा नदी के किनारे घाटों की साफ सफाई का निरीक्षण करने दौरान कहा कि लोक आस्था के महापर्व छठ पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देंगे। छठ मैया की भक्ति के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कैंट विधानसभा से विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि छठी मैया की कृपा बनी रहे। छठ पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए स्टीमर से निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । साथ ही, घाटों पर पैदल भ्रमण कर छठ पूजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। नगर निगम के जोनल अधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ प्रत्येक घाट का स्थलीय निरीक्षण कर शेष कमियों को तत्काल दूर करने को कहा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम पूजन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।
विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि घाटों की स्वच्छता को समस्त कार्यों में सबसे ऊपर रखा गया है। श्रद्धालुओं को पूजा करने के लिए साफ सुथरा स्थान मिले, इसके लिए स्वच्छता कर्मियों ने भी बड़ी मेहनत की है। यह आस्था का पर्व हम सभी श्रद्धालु मिलकर एक साथ मना रहे हैं।

मुरादाबाद जनपद में 1203 मतदान केंद्र और 2672 बूथ हुए अनुमोदित

मुरादाबाद।
मुरादाबाद जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों और बूथों के संभाजन के प्रस्ताव पर चुनाव आयोग ने मुहर लगा दी है। मुरादाबाद जनपद में 1203 मतदान केंद्र और 2672 बूथ अनुमोदित कर दिए गए हैं।
जिलाधिकारी अनुनय झा के मुताबिक जिले की कांठ विधानसभा क्षेत्र में 226 मतदान केंद्र-459 बूथ, ठाकुरद्वारा में 231 केंद्र-436 बूथ, मुरादाबाद देहात में 161 केंद्र-419 बूथ, नगर में 149 केंद्र-550 बूथ, कुंदरकी में 233 केंद्र-443 बूथ और बिलारी में 203 केंद्र-365 बूथ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अनुमोदित मतदेय स्थलों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है।

महिला अधिवक्ता से लूट करने वाला गिरफ्तार, दंपत्ति से भी की थी लूट

फिरोजाबाद।
थाना रसूलपुर पुलिस ने शनिवार को महिला अधिवक्ता से लूट की घटना कारित करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त ने एक दंपत्ति से भी लूट की घटना कारित करना भी स्वीकार किया है। पुलिस इसके भागे हुए साथी की तलाश कर रही है।
जनपद न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाली अधिवक्ता शीबा खान 07 नवंबर को फिरोजाबाद से न्यायालय डबरई ऑटो में अपने साथी अधिवक्ताओं के साथ जा रही थी। इसी दौरान थाना रसूलपुर क्षेत्र अन्तर्गत पीछे से आ रही पल्सर ब्लैक मोटरसाइकिल जिस पर दो लड़के सवार थे। जिन्होंने महिला अधिवक्ता का हेन्ड बैग खींच लिया और भागने लगे। महिला अधिवक्ता द्वारा इन लडकों का पीछा करते समय पीछे बैठे लड़के द्वारा तमन्चा दिखाकर धमकी दी गई। पीड़ित अधिवक्ता ने थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था।
इसी के साथ ही 08 नवंबर को थाना बसई मुहम्मदपुर क्षेत्र अन्तर्गत संजय कुमार अपनी पत्नी व बच्चों के साथ टूण्डला से ऑटो में बैठकर अपने घर बिलहना आ रहा था तभी गाजीपुर रोड पर पीछे से मोटर साइकिल सवार दो लडकों ने इसकी पत्नी का पर्स झपट्टा मारकर छीन लिया तथा भाग गए। पीड़ित ने थाना बसई मौहम्मदपुर फिरोजाबाद पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस घटनाओं की जांच कर लुटेरो की तलाश कर रही थी।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देश पर जनपद मे लूट की घटना कारित करने वाले अभियुक्तों के विरुद्ध की जा रही कडी कार्यवाही के क्रम में थाना प्रभारी रसूलपुर प्रदीप कुमार ने पुलिस टीम के साथ शनिवार को सूचना पर दोनों लूट की घटनाओं में प्रकाश मे आये अभियुक्त विकाश वर्मा पुत्र लालता प्रसाद उर्फ पिण्टू निवासी गली न0-03 एजे पब्लिक स्कूल के पास सेक्टर नम्बर 03 सुहागनगर थाना दक्षिण को बरकतपुर रेलवे पुल के पास से गिरफ्तार किया है।

बलिया में तैनात दरोगा ने की आत्महत्या, रेलवे ट्रैक पर मिली लाश

बलिया।
उत्तर प्रदेश के बलिया में चितबड़ागांव थाने पर तैनात संत कबीर नगर निवासी 28 वर्षीय उपनिरीक्षक संदीप कुमार की शनिवार शाम रेलवे ट्रैक पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। इसे आत्महत्या बताया जा रहा है।
वाराणसी की तरफ जा रही ट्रेन के लोको पायलट ने चितबड़ागांव रेलवे स्टेशन के आगे जाने के बाद अगले स्टेशन पर दी गई अपनी मेमो रिपोर्ट में बताया कि ट्रैक पर किसी ने आत्महत्या कर ली है।

कोहरे में काल बनकर दौड़ा ओवरलोड ट्रैक्टर; बाइक सवार भाई और दो बहनों को कुचला, तीनों की मौके पर मौत

सीतापुर
सीतापुर में घने कोहरे के दौरान भाई और उसकी दो सगी बहनों को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। इसके बाद ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। पुलिस आरोपी ट्रैक्टर-चालक की तलाश में जुटी है।
सीतापुर के तंबौर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह घने कोहरे के बीच दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार युवक और उसकी दो



सगी बहनों को पहले पिकअप ने टक्कर मारी। इसके बाद ईंटों से लदे तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।
जानकारी के मुताबिक, देवपालपुर गांव निवासी शिशुपाल अपनी बहन पूजा देवी और गायत्री देवी के साथ हरियाणा में रहकर नौकरी करते थे। रविवार की सुबह यह लोग वापस लहरपुर आए थे। यहां गांव के दो लोग अलग-अलग बाइकों से इन्हें लेने पहुंचे थे। लहरपुर से शिशुपाल अपनी दोनों बहनों को एक ही बाइक पर बैठा कर गांव जा रहे थे।
ग्रामीणों के अनुसार, रिहार स्थित पेट्रोल पंप के पास घने कोहरे के बीच तेज रफ्तार पिकअप ने पहले बाइक में टक्कर मार दी। इससे तीनों सड़क पर गिर गए। इसके बाद ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने उन्हें रौंद दिया। हादसे के समय बाइक सवार किसी ने भी हेलमेट नहीं पहन रखा था।
हादसे के बाद सड़क पर शव पड़े देखकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गृहकर ओटीएस योजना को मिला अच्छा प्रतिसाद, 26,844 भवन स्वामियों ने किया आवेदन

एक दिन में आए 1,926 आवेदन, नगर निगम को मिला 6.82 करोड़ रुपये का राजस्व 15 दिसंबर तक पूरा बकाया जमा करने पर मिलेगी ब्याज में छूट

प्रयागराज।
नगर निगम की गृहकर एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को शहर के भवन स्वामियों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर को समाप्त हो गई। इस अवधि तक कुल 26,844 भवन स्वामियों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है। वहीं, अंतिम दिन एक ही दिन में 1,926 आवेदन प्राप्त हुए।
योजना के माध्यम से नगर निगम को अब तक 6.82 करोड़ रुपये का



राजस्व भी प्राप्त हुआ है। यह जानकारी शनिवार को नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजय ममगई ने दी।
उन्होंने बताया कि ओटीएस योजना के प्रति भवन स्वामियों का उत्साह देखने को मिला है। बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन कर बकाया गृहकर जमा करने और ब्याज में छूट का लाभ लेने की पहल की है। उन्होंने बताया कि 14 नवंबर आवेदन करने की अंतिम तिथि थी, लेकिन योजना अभी समाप्त नहीं हुई है। जिन भवन स्वामियों ने निर्धारित समय के भीतर आवेदन कर दिया है, उन्हें बकाया गृहकर जमा करने का अवसर दिया गया है।
उन्होंने बताया कि सभी आवेदक भवन स्वामियों को 15 दिसंबर 2026 तक अपने बकाया गृहकर की पूरी धनराशि जमा करनी अनिवार्य है।

वाराणसी जोन में गो-तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 392 गोवंश बरामद, 112 तस्कर

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में गो-तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत वाराणसी जोन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के निर्देश पर एडीजी जोन नवीन अरोड़ा के मार्गदर्शन में एक अगस्त से अब तक चलाए गए अभियान के दौरान 67 मुकदमे दर्ज कर 392 गोवंश बरामद किए गए हैं। इस दौरान 112 गो-तस्करों को गिरफ्तार करने के साथ तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे 57 वाहन भी जब्त किए गए हैं।
एडीजी जोन कार्यालय की ओर से शनिवार शाम जारी जानकारी के अनुसार, गोवंश बरामदगी के मामले में गाजीपुर पुलिस पहले स्थान पर रही। गाजीपुर पुलिस ने सर्वाधिक 140 गोवंश बरामद किए। इनमें भांवरकोल क्षेत्र में गंगा नदी के रास्ते दो नावों से बिहार ले जाए जा रहे 60 गोवंश भी शामिल हैं। वहीं, तस्करों की गिरफ्तारी में चंदौली पुलिस ने बाजी मारी। चंदौली पुलिस ने सर्वाधिक 31 तस्करों को गिरफ्तार किया।
अभियान के दौरान पुलिस ने गो-तस्करी में इस्तेमाल होने वाले कुल 57 वाहन जब्त किए।

गोली मारकर महिला की हत्या ,परिजनों ने किया हंगामा

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के इंदिरापुरी कॉलोनी में शनिवार की देर रात को आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। अपने भाई के साथ हुई मारपीट का विरोध करने आरोपियों के घर पहुंची 33 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। महिला के साथ आए अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने आरोपियों घर में घुसकर तोड़फोड़ की। महिला भाई दूज



पर अपने मायके रहने आई थी। बताया जाता है उसके भाई ने किसी घर के सामने लघुशंका की थी। इस बात को लेकर विवाद हुआ था।
सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र मैं रहने वाले बाबूलाल की बेटी पूजा (33) की शादी नोएडा के दादरी निवासी नरेंद्र से हुई थी। उसकी दो बेटियां हैं। इन दोनों वह भाई दूज के त्यौहार की वजह से अपने मायके आई हुई थी। शनिवार रात उसका भाई अमन घर से करीब 50 मीटर दूर बैठा था। इसी दौरान डी ब्लॉक की दूसरी गली में रहने वाले कुछ युवक वहां पर पहुंचे, और किसी बात को लेकर अमन से उनका विवाद हो गया। उसके साथ मारपीट की, और तमंचे की बट से हमला कर घायल कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर पूजा अपने मौसेरे भाई अमित और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंची। वहां दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान आरोपियों ने पूजा के सिर में गोली मार दी, तथा घर के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की। घायल पूजा को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित पीड़ित पक्ष के लोगों ने आरोपियों के घर में पहुंचकर तोड़फोड़ की। वहां खड़ी कारों को भी तोड़ा।



'पंजाबी होने के नाते कभी छठ नहीं मनाया', पहली बार त्योहार का हिस्सा बनने पर आयुष्मान खुराना ने बताए अनुभव

अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए इस बार छठ पूजा का अनुभव बेहद खास रहा। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले आयुष्मान ने इससे पहले कभी छठ का त्योहार नहीं मनाया था। लेकिन सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के खास गाने 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार इस पर्व की परंपराओं और आस्था को करीब से समझने का मौका मिला। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह सिर्फ एक गाने की शूटिंग नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा का हिस्सा बनने का अनुभव था, जिससे वह पहले परिचित नहीं थे। आयुष्मान ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, 'पंजाबी होने के नाते मैंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। इसलिए पहली बार इस त्योहार को करीब से देखना और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खास था। छठ से जुड़ी भावनाएं और इसका महत्व देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ। यह त्योहार जिस तरह लोगों को एक साथ जोड़ता है, वह बहुत खूबसूरत है।' उन्होंने कहा, 'छठ पूजा की हर रस्म का अपना अलग महत्व है और हर परंपरा के पीछे गहरी आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है। मेरे लिए इस गाने की शूटिंग किसी सामान्य फिल्मी काम जैसी नहीं थी। इस दौरान मुझे एक नई परंपरा को समझने और उसका हिस्सा बनने का मौका मिला।' आयुष्मान ने शूटिंग से जुड़ा एक भावुक पल साझा किया। उन्होंने बताया, 'छठ पूजा के क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी स्टारकास्ट को एक साथ बुलाया था। इस दौरान उन्होंने सभी कलाकारों को छठ पूजा से जुड़ा एक गाना सुनाया। यह पल इतना भावुक था कि वहां मौजूद सभी लोगों की आंखों में आंसू आ गए। वह पल पूरी टीम के साथ रह गया और इसके बाद छठ पूजा के सीक्वेंस को फिल्माने का अनुभव और भी खास हो गया।' उन्होंने बताया, 'सूरज बड़जात्या ने इस सीक्वेंस को जिस संवेदनशीलता के साथ तैयार किया और छठ की परंपराओं को जिस अहमियत के साथ दिखाने की कोशिश की, उससे पूरी स्टारकास्ट प्रभावित हुई। फिल्म में इस पर्व की रस्मों और उससे जुड़ी भावनाओं को वास्तविक अंदाज में दिखाने पर खास ध्यान दिया गया है।' 'बुलाए छठी मां' गाने में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को दिखाया गया है। छठ भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे खास तौर पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में रहने वाले लोग भी इस पर्व को पूरे उत्साह से मनाते हैं।

विवेक अग्निहोत्री फूटा गुस्सा

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने दिवाली पर पटाखों से होने वाले संभावित खतरों पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि भारत की संस्कृति मासूम जिंदगियों, घरों और संपत्ति को खतरे में डालने की इजाजत नहीं देती। निर्देशक ने अपने एक्स अकाउंट पर मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के एक ट्वीट का जवाब दिया, जिसमें मेयर ने जिम्मेदारी के साथ दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने की अपील की थी। विवेक अग्निहोत्री ने अपने घर में हुए एक हादसे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके कुत्तों ने एक भटकते हुए रॉकेट के बारे में समय रहते सचेत कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने लिखा, कल रात, एक भटकता रॉकेट हमारी बालकनी में रखे सोफे पर आ गिरा, जिससे उसमें आग लग गई। शुक्र है कि हमारे कुत्तों ने हमें आगाह कर दिया, जिससे आग-रोधी कपड़े की वजह से बड़ा हादसा टल गया।



कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा-

'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'



अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, 'मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी' जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, 'मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।' श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

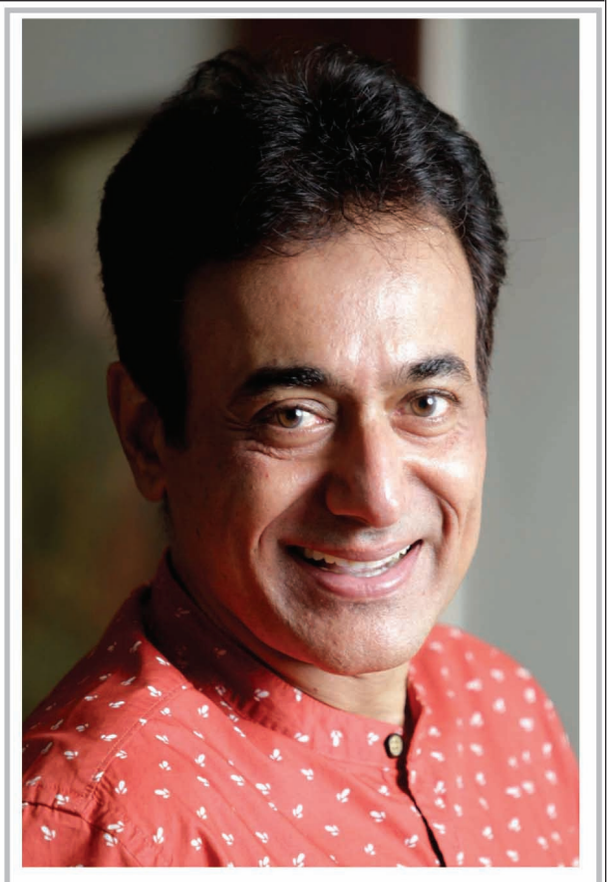

रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफ वापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया।

अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शानदार दृश्य प्रभाव और आधुनिक तकनीक किसी धार्मिक महाकाव्य की दार्शनिक गहराई और आध्यात्मिक सार का विकल्प नहीं हो सकते। नीतीश भारद्वाज ने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने को लेकर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित फिल्म बनाते समय जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। यदि किसी फिल्म में भारतीय इतिहास, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिनिधित्व के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा।

गौरतलब है कि नीतीश भारद्वाज ने इससे पहले फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उस समय उन्होंने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की संभावना भी जताई थी। हालांकि, पूरी फिल्म देखने के बाद उनका नजरिया बदल गया और उन्होंने अपनी पुरानी प्रशंसा वापस ले ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर अब अभिनेता की प्रतिक्रिया के बाद चर्चा तेज हो गई है।

'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका दुग्गल - फैंस कंफ्यूज थे, फिर भी देखने पहुंचे थिएटर

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों फिल्म 'मिर्जापुर- द मूवी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि शुरुआत में लोग परेशान थे कि मेकर्स अगले सीजन के बजाय फिल्म क्यों लेकर आ रहे हैं। रसिका दुग्गल ने बताया कि फैंस अक्सर उनसे अगले सीजन के बारे में पूछते थे, तो उन्हें समझाना पड़ता था कि इस बार टीम ने सीजन नहीं, बल्कि फिल्म बनाई है और उन्हें थिएटर में जाकर देखने के लिए कहना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने सीरीज को देखा है, उनके लिए थिएटर में अभी भी बहुत कुछ बाकी है।' रसिका दुग्गल ने फिल्म के प्राइम वीडियो पर आने वाले एक्सटेंडेड कट के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ये उन फैंस के लिए कुछ एक्स्ट्रा है, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को हमेशा सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि हमारे फैंस ने फिल्म को भी बहुत पसंद किया और थिएटर में जाकर इसे देखा। मुझे पूरा भरोसा है कि वो इसे दोबारा भी देखेंगे, भले ही एक्सटेंडेड कट न होता, लेकिन अब हमारे पास उन्हें देने के लिए कुछ और भी है।' रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर- द मूवी' है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल ने बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है, बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए तरीके से पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिले हैं, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिली। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी' में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में हैं।



रामायण का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, पहले हफ्ते में 430 करोड़ की ओर फिल्म

दिवाली की छुट्टियों का फायदा रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लगातार मिल रहा है। सोमवार को अब तक का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने मंगलवार को भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी। छठे दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए मंगलवार के कलेक्शन का नया रिकॉर्ड बना दिया। खास बात यह है कि दिवाली के बाद भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन ने मंगलवार को 75.03 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह किसी मंगलवार को फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन बताया जा रहा है। सोमवार को दिवाली के मौके पर फिल्म ने 95 करोड़ रुपये की कमाई की थी। लगातार दो दिनों के इन आंकड़ों ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। 'रामायण' ने रिलीज के पहले दिन गुरुवार को 47 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। शुक्रवार को इसका कारोबार 38.25 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को दिवाली के दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 95 करोड़ रुपये का कारोबार किया। मंगलवार को भी 75.03 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इस तरह फिल्म का हिंदी वर्जन छह दिनों में कुल 345.28 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुका है। यह आंकड़ा बताता है कि फिल्म को शुरुआती वीकेंड के साथ-साथ त्योहारों के दौरान भी दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।





सलमान खान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन

देशभक्ति और बलिदान की कहानी लेकर आए भाईजान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है।

ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है।

सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री कहानी को भावनात्मक मजबूती देती है। फिल्म की खूबसूरत लोकेशन, सिनेमैटोग्राफी और संगीत भी दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। फिल्म का संदेश है कि युद्ध का परिणाम कभी सुखद नहीं होता। इसमें दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है और इसका असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सैनिकों के परिवारों को भी लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और इसका निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।

छठ पूजा के लिए पांचाल घाट पर तैयारियां पूरी

● फूलों और गुब्बारों से सजा गंगा तट

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



लोकआस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर शहर के पांचाल घाट पर तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। गंगा तट पर श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए आकर्षक सजावट की गई है। घाट को रंग-बिरंगे गुब्बारों, फूलों की मालाओं और बैनरों से सजाया गया है। रविवार को गंगा किनारे व्रती महिलाओं और परिवारों के पूजन के लिए बेदियां बनाई जा रही हैं। घाट पर छठ मैया के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया है। इस बार करीब 60 परिवारों के पूजा-अर्चना करने और 500 से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

पूर्वांचल विकास समिति की ओर से कई वर्षों से पांचाल घाट पर छठ पूजा का आयोजन कराया जा रहा है। इस बार भी आयोजन को भव्य बनाने के लिए समिति के सदस्य कई दिनों से तैयारियों में जुटे हुए हैं। घाट की सफाई के साथ रंगाई-पुताई और सजावट का काम कराया गया है। गंगा किनारे पूजन स्थलों को व्यवस्थित किया जा रहा है। रविवार को श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पहुंचकर पूजा के लिए बेदियां तैयार करने में जुटे रहे। सफाई कर्मचारियों ने भी घाट पर साफ-सफाई की व्यवस्था संभाली।

पांचाल घाट पर होने वाले आयोजन में फर्रुखाबाद के अलावा कासगंज, एटा, इटावा, मैनपुरी और कन्नौज से भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूर्वांचल क्षेत्र से जुड़े परिवार बड़ी संख्या में इस पर्व में शामिल होते हैं। कुछ परिवारों ने घाट पर पहुंचकर पहले से ही पूजन स्थल तैयार करना शुरू कर दिया है। आयोजकों के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाएगा और देर शाम तक पूजा-अर्चना का सिलसिला चलेगा।

छठ पूजा के तहत रविवार शाम व्रती महिलाएं गंगा में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। इसके बाद सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाएगा। इस पर्व में सूर्य देव और छठी मैया की उपासना का विशेष महत्व है। महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए कठिन व्रत रखती हैं। पूजा के दौरान पारंपरिक रूप से फल, फूल और अन्य पूजन सामग्री से सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया जाता है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आयोजन स्थल पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। घाट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से कंट्रोल रूम से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा पुलिसकर्मियों की तैनाती भी रहेगी। गंगा में गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए किनारे बैरिकेडिंग कराई गई है। घाट पर जगह-जगह सावधानी बरतने संबंधी होर्डिंग लगाए गए हैं। इनमें श्रद्धालुओं को आगे गहरा पानी होने की चेतावनी दी गई है। यहां पानी की गहराई करीब 10 फीट तक बताई गई है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से निर्धारित सुरक्षित स्थान पर ही पूजा करने और बच्चों को गंगा किनारे अकेला नहीं छोड़ने की अपील की है।

गोरखपुर निवासी मृदुला सिंह ने बताया कि छठ पूजा आस्था और विश्वास का पर्व है। श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ यह कठिन व्रत रखते हैं। उन्होंने बताया कि वह भी छठ का व्रत कर रही हैं। इसमें महिलाएं करीब 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखती हैं और सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा करती हैं। देवरिया निवासी जय नारायण सिंह भी घाट पर पूजन के लिए बेदी तैयार करते नजर आए। उन्होंने बताया कि वह पिछले दो वर्षों से शहर के पांचाल घाट पर छठ पर्व मना रहे हैं। छठ मैया से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

छठ पूजा समिति के संयोजक ने बताया कि वह पिछले 32 वर्षों से छठ पूजा के आयोजन में सहभागी रहे हैं। इस बार भी पांचाल घाट पर श्रद्धालुओं के लिए सजावट, साफ-सफाई और पूजन की व्यवस्थाएं की गई हैं।

23वें मानस सम्मेलन में श्रीराम जन्मोत्सव की धूम

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

23वें मानस सम्मेलन में श्रीराम कथा की अमृतमयी वर्षा के बीच भगवान श्रीराम का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मानस विद्वान संतोष रामायणी ने भगवान श्रीराम के धरती पर अवतार लेने के विभिन्न कारणों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि मनु-शतरूपा की कठोर तपस्या, राजा दशरथ की पुत्र प्राप्ति की अभिलाषा, धरती पर असुरों का अत्याचार, धर्म की हानि, ऋषि-मुनियों पर अत्याचार तथा समाज में बढ़ते अनाचार के कारण भगवान को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब समाज में मानवीय मूल्यों का ह्रास होता है और अधर्म बढ़ता है, तब धर्म की स्थापना के लिए परमात्मा अवतार लेते हैं।

मानस मर्मज्ञ एवं चिंतनशील विद्वान अंबरीष जी रामायणी ने भैया भरत के चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भरत का त्याग, समर्पण, भ्रातृप्रेम और आदर्श शासन व्यवस्था भारतीय संस्कृति की अनुपम मिसाल है। उन्होंने बताया कि भरत ने बड़े भाई श्रीराम के प्रति प्रेम और सम्मान के कारण राजसिंहासन स्वीकार नहीं किया तथा उनकी खड़ाऊं को सिंहासन पर विराजमान कर लोकनीति के अनुरूप राज्य का संचालन किया। उन्होंने कहा कि गुरु वशिष्ठ के मार्गदर्शन में भरत ने राजनीति, प्रजानीति और लोकनीति का आदर्श प्रस्तुत किया। मानस भूषण अरिमर्दन शास्त्री (हमीरपुर) एवं पं. सर्वेश शुक्ला रामायणी ने रामचरितमानस को मानव जीवन के संस्कारों और कल्याण का महान ग्रंथ बताते हुए युवाओं से इसके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

सम्मेलन में मानस विदुषियों सुमन रामायणी, रुचि रामायणी एवं कु. साधना शर्मा ने सोहर, मंगल और बधाई गीतों के माध्यम से श्रीराम जन्मोत्सव की खुशियां मनाई तथा भारतीय संस्कृति और संस्कारों के महत्व को प्रस्तुत किया। भारत सिंह ने सभी विद्वानों का स्वागत एवं सम्मान किया। महिला मंडल समिति की श्रीमती गौरांग दुबे, निर्मला सिंह, शारदा भदौरिया, कुसुम सिंह, नीलम सक्सेना एवं शकुंतला कटियार ने भगवान श्रीराम की आरती की। इस अवसर पर राजेश निराला, वैभव सोमवंशी, पं. अरविंद चतुर्वेदी, संगीतज्ञ शिव प्रताप, राहुल कनौजिया, संजय गुप्ता, मनीष गुप्ता एवं अमित गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रीराम कथा एवं मानस सम्मेलन का संचालन बृज किशोर सिंह किशोर ने किया। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

खुले नाले बने हादसों का सबब, अब गाय गिरी तो खुली नगर पंचायत की पोल

यूथ इंडिया, नवाबगंज



नगर में खुले नाले अब हादसों को दावत दे रहे हैं। नगर पंचायत की ओर से कराई गई नालों की खुदाई के बाद उन्हें खुला छोड़ दिया गया है। इससे राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों की जान जोखिम में बनी हुई है। रविवार सुबह बाईपास मार्ग पर बबना तिराहे के पास खुले नाले में एक गाय गिरकर फंस गई। गनीमत रही कि समय रहते लोगों की नजर गाय पर पड़ गई और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सुबह जब मोहल्लेवासी घरों से बाहर निकले तो नाले में गाय को फंसा देखकर हैरान रह गए। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मोहल्लेवासियों ने इसकी सूचना नगर पंचायत को दी। सूचना पर कर्मचारी अंबुज भारद्वाज सहित सफाई नायक और सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने रस्सी की मदद से काफी मशक्कत के बाद गाय को नाले से बाहर निकाला।

इस घटना के बाद मोहल्लेवासियों में नगर पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी दिखाई दी। लोगों का आरोप है कि नगर में कई जगह नालों की खुदाई कर उन्हें खुला छोड़ दिया गया है। रात के अंधेरे में ये खुले नाले दिखाई नहीं देते, जिससे राहगीरों और पशुओं के गिरने का खतरा बना रहता है।

लोगों का कहना है कि अभी तो नाले में गाय गिरी है, लेकिन यदि कोई बच्चा या राहगीर इसमें गिर गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद नगर पंचायत की ओर से खुले नालों को ढकने की व्यवस्था नहीं की जा रही है। मोहल्लेवासियों ने नगर पंचायत प्रशासन से खुले नालों को तत्काल ढकवाने और सुरक्षा के इंतजाम कराने की मांग की है।

शनिवार रात 9 बजे सीएचसी मोहम्मदाबाद पहुंचे सीएमओ डॉ. आनंद उपाध्याय, किया औचक निरीक्षण

● रात्रिकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था परखी
● अस्पताल पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और सरकारी अस्पतालों में मरीजों को निर्धारित समय पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद उपाध्याय ने शुक्रवार रात करीब 9 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहम्मदाबाद का औचक निरीक्षण किया।

रात के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग में हलचल रही। निरीक्षण का उद्देश्य रात्रिकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानना और अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता परखना रहा।सीएमओ डॉ. आनंद उपाध्याय ने अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रात्रि के समय सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय सेवाओं की निरंतरता बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दौरान दुर्घटना, गंभीर बीमारी और आपातकालीन स्थिति में मरीज उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचते हैं।

ऐसे में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता, मरीजों को समय पर उपचार और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का संचालन स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी का रात्रिकालीन निरीक्षण इस बात का संकेत है कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि अस्पतालों में पहुंचकर भी व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति देखी जा रही है।डॉ. आनंद उपाध्याय की सक्रिय निगरानी से सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में जवाबदेही और रात्रिकालीन सेवाओं को लेकर विभागीय सतर्कता का संदेश गया है।

हालांकि निरीक्षण के दौरान किन-किन बिंदुओं पर कमियां मिलीं और क्या निर्देश दिए गए, इसकी विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं हो सकी है।

श्री हरि नाम संकीर्तन महाकुंभ में मची होली की धूम, नारायण आश्रम बना बरसाना

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



पाञ्चाल घाट स्थित गंगा तट के नारायण आश्रम में आयोजित श्री हरि नाम संकीर्तन महाकुंभ में होली उत्सव की धूम रही। ठाकुर जी की वंदना एवं स्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान प्रवचन के स्थान पर भजन-कीर्तन की रसधारा प्रवाहित हुई। राग-रागिनियों में सजे राधे-गोविंद के मधुर भजनों ने पूरे आश्रम को भक्तिमय बना दिया। ऐसा लगा मानो गंगा तट पर स्थित नारायण आश्रम ब्रजभूमि के बरसाने में परिवर्तित हो गया हो।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय गायक युधिष्ठिर मलिक एवं सुनील मलिक ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्याम तेरे प्यारे बरसाने, श्री राधा-श्याम प्यारी, निकुंज बिहारी जी प्यारे हैं बरसाने और राधे गोविंद जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लड्डू महोत्सव और होली उत्सव रहा। लड्डू मार होली, लठमार होली, फूलों की होली तथा नंदगांव-बरसाने की पारंपरिक होली की संगीतमय प्रस्तुतियों ने ब्रज की लोक संस्कृति को जीवंत कर दिया। नंदलाल के संग होरी खेलत नंद किशोरी और बरसाने में धूम मची है, बांके रसिया जैसे भजनों ने वातावरण को उल्लास और भक्ति से सराबोर कर दिया।

राष्ट्रीय गायकों ने गायन एवं वादन के माध्यम से ब्रज की होली की विभिन्न परंपराओं को प्रस्तुत किया। ठाकुर जी के नारी श्रृंगार और ब्रज की पारंपरिक होली से जुड़ी प्रस्तुतियों ने भी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। फूलों की होली और लड्डू मार होली में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आगंतुक अतिथि डॉ. मिथिलेश अग्रवाल एवं मुख्य शिक्षक डॉ. मनमोहन गोस्वामी सहित अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। आयोजन के माध्यम से हरि नाम संकीर्तन के साथ भारतीय लोक संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का सुंदर संगम देखने को मिला।

चार लोगों के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना मेरापुर क्षेत्र के ग्राम ब्रह्मपुरी में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गांव निवासी जयकिशन पुत्र बेचेलाल ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि सत्यपाल पुत्र ओमकार सहित चार लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। वादी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने सत्यपाल सहित चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

छठ पूजा पर डीएम के निर्देशों को ठेंगे पर रख रहे यातायात प्रभारी ओमप्रकाश पांडे

● पांचाल घाट पर जाम खुलवाते रहे उपनिरीक्षक सत्येंद्र कुमार, नदारद रहे प्रभारी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



पांचाल घाट पुल के पास यातायात व्यवस्था संभालते उपनिरीक्षक



गवर्नर के काफिले को सुरक्षा पूर्वक निकलवाते सतेंद्र कुमार

छठ पूजा पर डीएम के निर्देशों को ठेंगे पर रख रहे यातायात प्रभारी ओमप्रकाश पांडे, पांचाल घाट पर जाम खुलवाते रहे उपनिरीक्षक सत्येंद्र कुमार, नदारद रहे प्रभारी

फर्रुखाबाद। छठ पूजा के पर्व पर जहां जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह जनपद की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए सख्त रुख अपनाए हुए हैं, वहीं यातायात विभाग के प्रभारी ओमप्रकाश पांडे की कार्यशैली पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। अधिकारियों की ओर से यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर इन निर्देशों का कितना पालन हो रहा है, इसकी तस्वीर रविवार को पांचाल घाट पर देखने को मिली। आरोप है कि यातायात प्रभारी अधिकारियों के निर्देशों को नजरअंदाज कर अपनी मनमर्जी से काम कर रहे हैं।

रविवार सुबह यातायात उपनिरीक्षक सत्येंद्र कुमार अपनी टीम के साथ पांचाल घाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल के काफिले को पांचाल घाट से सकुशल निकलवाने की जिम्मेदारी संभाली। काफिले के आवागमन के दौरान यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के साथ ही उन्होंने पांचाल घाट पुल पर लगने वाले जाम को खुलवाने में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उपनिरीक्षक ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ वाहनों को व्यवस्थित तरीके से पुल पार कराया, जिससे यातायात संचालन सुचारू बना रहा। खास बात यह रही कि इतनी महत्वपूर्ण व्यवस्था के दौरान यातायात प्रभारी ओमप्रकाश पांडे मौके पर नजर नहीं आए। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब अधिकारियों की ओर से यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं तो जिम्मेदार प्रभारी की मौजूदगी आखिर कहां रहती है?

यातायात प्रभारी ओमप्रकाश पांडे की कार्यशैली पहले भी विवादों में रही है। वाहन चालकों के साथ कथित अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। वायरल वीडियो में यातायात प्रभारी एक ई-रिक्शा चालक के साथ गाली-गलौज करते और डंडे से मारते दिखाई देने का दावा किया गया था। इस घटना के बाद भी उनकी कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। वाहन चालकों का आरोप है कि यातायात नियमों के पालन के नाम पर मनमाने तरीके से चालान किए जाते हैं, जबकि जिन स्थानों पर यातायात पुलिस की सबसे अधिक जरूरत है, वहां जिम्मेदार अधिकारी दिखाई नहीं देते।

शहर के मुख्य बाजारों में प्रतिदिन लगने वाला जाम भी यातायात विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। बाजारों में ई-रिक्शा की आवाजाही लगातार बनी रहती है और कई बार इनके कारण जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। सवाल यह है कि यदि यातायात प्रभारी प्रमुख चौराहों पर नियमित रूप से निगरानी कर रहे हैं तो ई-रिक्शा प्रतिबंधित या व्यस्त बाजार क्षेत्रों में कैसे पहुंच जाते हैं? आखिर किन परिस्थितियों में मुख्य बाजारों में बार-बार जाम लगता है और आम नागरिकों को घंटों परेशानी उठानी पड़ती है?

छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर घाटों और प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देशों का उद्देश्य आम जनता को जाम से राहत दिलाना और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, लेकिन यदि जिम्मेदार अधिकारी ही मौके से नदारद रहेंगे तो व्यवस्था को बेहतर बनाने के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

पोस्टमार्टम में गोली सिर के आर-पार होने की पुष्टि, एक्स-रे में नहीं मिली बुलेट

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जहानगंज थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव में किसान अवधेश (55) की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से हुई मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से अहम जानकारी सामने आई है। पोस्टमार्टम में गोली सिर के दाहिनी तरफ से लगकर आर-पार निकलने की पुष्टि हुई है। इससे पहले कराए गए एक्स-रे में शरीर के अंदर बुलेट नहीं मिली थी। पुलिस ने घटनास्थल से तमंचा भी बरामद किया है। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या मानकर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार अवधेश खेतीबाड़ी करते थे। शुक्रवार देर शाम वह घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। इसी दौरान गांव का एक युवक लघुशंका के लिए घर से बाहर निकला तो उसे अवधेश का शव पड़ा दिखाई दिया। इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया और परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

घटना के बाद परिजन शव को घर ले गए थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शनिवार शाम पोस्टमार्टम कराया गया। इससे पहले शव का एक्स-रे कराया गया था, जिसमें गोली या बुलेट शरीर के अंदर मौजूद नहीं मिली।

पोस्टमार्टम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, गोली अवधेश के सिर के दाहिनी ओर लगी थी और दूसरी तरफ से बाहर निकल गई थी। इसी वजह से एक्स-रे में शरीर के अंदर बुलेट दिखाई नहीं दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गोली लगने से हुई चोट के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं।

पुलिस ने मौके से तमंचा बरामद किया है। अब बरामद तमंचे और घटनास्थल से मिले अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का प्रथम दृष्टया शक आत्महत्या की ओर है। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और अन्य संभावित पहलुओं की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

गांव की चौपाल से पुलिस विभाग तक गूंजा गूजरपुर पमारान के लाल का नाम, अहिलकर ने मेहनत के दम पर हासिल की बड़ी कामयाबी

● महेश चन्द्र के बेटे का पुलिस विभाग में चयन होने से गांव में खुशी की लहर, ग्रामीणों ने बताया पूरे क्षेत्र का गौरव, युवाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत

यूथ इंडिया, अमृतपुर



कहते हैं कि अगर हौसलों में उड़ान हो और मंजिल पाने का जुनून हो तो गांव की छोटी-छोटी गलियों से निकलकर भी सफलता के बड़े मुकाम हासिल किए जा सकते हैं। इस कहावत को गूजरपुर पमारान गांव के होनहार युवक अहिलकर पुत्र महेश चन्द्र ने सच साबित कर दिखाया है। अहिलकर का पुलिस विभाग में चयन होने से न केवल उनके परिवार में खुशियों का माहौल है, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र में गर्व की अनुभूति हो रही है। उनकी इस उपलब्धि को गांव की प्रतिभा और युवाओं की मेहनत की बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है।

गांव के साधारण परिवेश से निकलकर पुलिस विभाग तक पहुंचने का अहिलकर का सफर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बन गया है। उनकी सफलता इस बात का संदेश देती है कि कामयाबी किसी खास स्थान या बड़े संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि इसके लिए मजबूत इरादे, निरंतर प्रयास और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण जरूरी है।

पुलिस विभाग में चयन के साथ ही अहिलकर ने अपने माता-पिता के सपनों को नई उड़ान दी है।अहिलकर के चयन की खबर मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल बन गया। परिजनों और शुभचिंतकों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए इसे वर्षों की मेहनत का सुखद परिणाम बताया। गांव के लोगों का कहना है कि अहिलकर की कामयाबी से गूजरपुर पमारान की पहचान को नई उपलब्धि मिली है। गांव के युवा अब उनकी सफलता को एक उदाहरण के रूप में देख रहे हैं।

समाजसेवी पत्रकार सर्वजीत सिंह ने अहिलकर को बधाई देते हुए कहा कि किसी गांव की असली पहचान वहां की प्रतिभाओं, मेहनतकश युवाओं और उनकी उपलब्धियों से होती है। जब गांव का कोई बेटा अपनी मेहनत से सरकारी सेवा में पहुंचता है तो उसकी सफलता केवल परिवार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे गांव और समाज का गौरव बन जाती है। ऐसे होनहार युवाओं का उत्साहवर्धन करना और उनकी उपलब्धियों को सम्मान देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को अहिलकर की सफलता से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि मन में दृढ़ संकल्प और मेहनत करने का जज्बा हो तो सफलता का रास्ता जरूर निकलता है।अहिलकर को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उम्मीद जताई गई कि वह पुलिस विभाग में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ करेंगे तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। गूजरपुर पमारान के लिए अहिलकर की यह उपलब्धि केवल एक नौकरी मिलने की खुशी नहीं, बल्कि गांव के हर उस युवा के सपने की जीत है, जो अपनी मेहनत के दम पर कुछ बड़ा हासिल करना चाहता है।

गांव का बेटा जब सफलता की नई ऊंचाइयों को छूता है तो सम्मान सिर्फ उसके परिवार का नहीं, बल्कि पूरी मिट्टी का बढ़ता है। अहिलकर ने अपनी उपलब्धि से गूजरपुर पमारान का नाम गौरवान्वित किया है।

रामनगरिया मेले से पहले गंगा पर पैंटून पुल बनाने का काम शुरू

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



पांचाल घाट पर जनवरी में लगने वाले रामनगरिया मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गंगा पर बने मुख्य पुल के पास पैंटून पुल बनाने का काम शुरू करा दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य के तहत गंगा के पूर्वी छोर से पैंटून पानी में उतारे जा रहे हैं। मेला शुरू होने से पहले पुल तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। पैंटून पुल बनने से मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

पांचाल घाट पर प्रतिवर्ष लगने वाले रामनगरिया मेले में फर्रुखाबाद सहित आसपास के कई जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कल्पवासी पहुंचते हैं। मेले के दौरान गंगा के दोनों तरफ श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से मुख्य गंगा पुल पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। कई बार वाहनों की लंबी कतारें लगने से जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसे में पैंटून पुल बनने से श्रद्धालुओं को गंगा पार जाने के लिए एक अतिरिक्त रास्ता उपलब्ध होगा और मुख्य पुल पर वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है।

इस बार पैंटून पुल निर्माण के लिए एक पुल की स्वीकृति मिली है। अधिकारियों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब निर्माण संबंधी काम शुरू करा दिया गया है। गंगा में पानी के स्तर और अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पैंटून उतारने तथा उन्हें आपस में जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसके बाद पुल को आवागमन के लिए तैयार किया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष तत्कालीन जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए प्रयागराज से अतिरिक्त पैंटून मंगवाए थे। बाद में इनमें से कुछ पैंटून अलीगढ़ भेज दिए गए थे। इसके चलते इस बार नए सिरे से पुल निर्माण की व्यवस्था की गई है। अब जनवरी में प्रस्तावित रामनगरिया मेले से पहले पुल तैयार कराने की कवायद तेज कर दी गई है।

पैंटून पुल बनने से न केवल मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि गंगा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को भी आवागमन में सुविधा होगी। हालांकि पुल पर सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए निर्माण के दौरान मजबूती, संपर्क मार्ग और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं पर भी ध्यान देना होगा।

साइबर ठगी की रकम बैंक खाते में मंगाकर लेनदेन करने के मामले में मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना राजेपुर क्षेत्र में साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि बैंक खाते में मंगाकर लेनदेन करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष राजेपुर श्री अजब सिंह की तहरीर पर अभियुक्त करन सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम वीरपुर हरिहरपुर, थाना राजेपुर, जनपद फर्रुखाबाद तथा 2-3 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त पर साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि का अपने बैंक खाते के माध्यम से लेनदेन करने का आरोप है।